वर्ष 24, अंक 221, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार 19 फरवरी 2026 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

AI समिट में मोदी की मेगा डिप्लोमेसी

एस्टोनिया, सर्बिया, क्रोएशिया, फिनलैंड, स्पेन के साथ नई शुरूआत

नई दिल्ली

AI इम्पैक्ट समिट में भागीदारी के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समानांतर रूप से एक सक्रिय कूटनीतिक मिशन भी साधते दिख रहे हैं। समिट से इतर विभिन्न देशों के नेताओं के साथ उनकी द्विपक्षीय मुलाकातें इस बात का संकेत हैं कि भारत वैश्विक मंचों का उपयोग केवल बहुपक्षीय चचाओं तक सीमित नहीं रख रहा, बल्कि उन्हें रणनीतिक रिश्तों को मजबूत करने के अवसर में भी बदल रहा है। डिजिटल तकनीक, व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और नवाचार जैसे मुद्दों पर हुई ये वाताएं बताती हैं कि मोदी सरकार भविष्य की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए साझेदारियां गढ़ रही है और भारत की वैश्विक भूमिका को लगातार विस्तार दे रही है। जहां तक प्रधानमंत्री मोदी की द्विपक्षीय वाताओं की बात है तो आपको बता दें कि उनकी और एस्टोनिया के राष्ट्रपति की मुलाकात कृत्रिम बुद्धिमत्ता इम्पैक्ट समिट के इतर ऐसे समय हुई जब डिजिटल सहयोग वैश्विक कूटनीति का अहम आधार बनता जा रहा है। दोनों नेताओं ने भारत-एस्टोनिया संबंधों की विभिन्न धाराओं की समीक्षा की और खास तौर पर डिजिटल टेक्नोलॉजी, ई-गवर्नेंस और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर जोर दिया। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (ऋछअ) की वाताओं के ऐतिहासिक समापन और उसके शीघ्र क्रियान्वयन पर भी सहमति जताई गई। सामरिक दृष्टि से एस्टोनिया, जो डिजिटल गवर्नेंस में विश्व अग्रणी माना जाता है, भारत के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, साइबर सुरक्षा और स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए

उपयोगी साझेदार है। बाल्टिक क्षेत्र में एस्टोनिया के साथ मजबूत रिश्ते भारत की यूरोप नीति को भी मजबूती देते हैं।

वहीं सर्बिया के राष्ट्रपति के साथ प्रधानमंत्री मोदी की द्विपक्षीय वार्ता में व्यापार, निवेश, अक फिनटेक, शिक्षा, कृषि और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। भारत और सर्बिया के संबंध ऐतिहासिक रूप से गुटनिरपेक्ष आंदोलन के दौर से ही मित्रतापूर्ण रहे हैं, जिनकी नींव आपसी विश्वास और जन-जन के रिश्तों पर टिकी है। सामरिक रूप से सर्बिया दक्षिण-पूर्व यूरोप में एक महत्वपूर्ण देश है, जहां भारत अपनी आर्थिक और तकनीकी उपस्थिति बढ़ाकर यूरोपीय बाजारों तक पहुंच मजबूत कर सकता है। रक्षा उद्योग, फार्मा और आईटी सेक्टर में सहयोग की संभावनाएं भी भारत के लिए दीर्घकालिक लाभ का आधार बन सकती हैं।

उधर, क्रोएशिया के प्रधानमंत्री के साथ बैठक में भारत-क्रोएशिया संबंधों को नई ऊंचाई देने पर जोर दिया गया। अक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा जैसे भविष्य के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने भारत-ईयू ऋछअ को जल्द लागू करने की जरूरत दोहराई। क्रोएशिया के लोगों में भारतीय संस्कृति, योग और आयुर्वेद के प्रति बढ़ती रुचि का भी उल्लेख हुआ, जो सॉफ्ट पावर के जरिए संबंधों को गहरा करता है। सामरिक नजरिए से क्रोएशिया एड्रियाटिक सागर क्षेत्र का अहम देश है और यूरोप में लॉजिस्टिक्स, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में भारत के लिए अवसर खोलता है।

इसके अलावा, स्पेन के राष्ट्रपति के साथ प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात बहुआयामी साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित रही। रक्षा, सुरक्षा, तकनीक, नवाचार, स्वास्थ्य, जलवायु कार्रवाई और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। 2026 को भारत-स्पेन संस्कृति, पर्यटन और अकवर्ष के रूप में मनाने की पहल दोनों देशों के रिश्तों को जनस्तर तक ले जाने का प्रयास है। विश्वविद्यालयों के बड़े प्रतिनिधिमंडल का भारत आना अकादमिक और शोध सहयोग की संभावनाएं बढ़ाता है। सामरिक दृष्टि से स्पेन यूरोपीय संघ और लैटिन दुनिया के बीच सेतु का काम करता है, इसलिए उसके साथ गहरे रिश्ते भारत को व्यापक भू-राजनीतिक और आर्थिक लाभ दे सकते हैं।

साथ ही, फिनलैंड के प्रधानमंत्री के साथ हुई विस्तृत वार्ता में व्यापार दोगुना करने, डिजिटलाइजेशन, अक रिसर्च, नैतिक नवाचार, 6ऋ स्वच्छ ऊर्जा, बायोफ्यूल और सर्कुलर इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। फिनलैंड को एक उभरते नवाचार केंद्र के रूप में सराहा गया और जिम्मेदार अक विकास पर साझा प्रतिबद्धता दोहराई गई। सामरिक रूप से फिनलैंड नॉर्डिक क्षेत्र का टेक-पावरहाउस है, जहां शिक्षा, रिसर्च और ग्रीन टेक्नोलॉजी में विश्वस्तरीय विशेषज्ञता है। भारतीय प्रतिभा और फिनिश नवाचार का मेल भविष्य की अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति मजबूत कर सकता है। बहरहाल, इन सभी बैठकों से स्पष्ट है कि भारत यूरोप के साथ अपने रिश्तों को केवल औपचारिक कूटनीति तक सीमित नहीं रख रहा, बल्कि उन्हें तकनीक, व्यापार, संस्कृति और जनसंपर्क के जरिए बहुआयामी बना रहा है।

800 करोड़ की सड़क सुधार योजना से 241 सड़कों का होगा पुनर्विकास, सरकार ने दी मंजूरी

दिल्ली

राजधानी दिल्ली की सड़कों को गड्ढामुक्त, सुरक्षित और डस्ट-फ्री बनाने के लिए सरकार ने एक बड़ी और व्यापक सड़क सुधार योजना को मंजूरी दी है. इस योजना के तहत 800 करोड़ रुपये से अधिक के बजट से 241 से ज्यादा प्रमुख सड़कों का पुनर्विकास किया जाएगा. साथ ही योजना में 'Wall-to-Wall Carpeting' तकनीक अपनाई जाएगी. जिससे पूरी सड़क की चौड़ाई में एकसमान गुणवत्ता, मजबूती और टिकाऊ निर्माण सुनिश्चित किया जा सकेगा. इसका उद्देश्य केवल सड़क बनाना नहीं, बल्कि लंबे समय तक चलने वाली सुरक्षित सड़कें तैयार करना है.

केंद्र सरकार के सहयोग से इस परियोजना के तहत 45 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों की लगभग 400 किलोमीटर सड़कों का कायाकल्प किया जाएगा.

इससे न सिर्फ ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर होगी।

'ये लोग इमोशनल ड्रामा कर रहे हैं, बचने नहीं

द्वारका

दिल्ली के द्वारका में 3 फरवरी को हुए कार हादसे में जान गंवाने वाले साहिल धनेशरा की मां ने अब आरोपी परिवार की गिरफ्तारी की मांग उठाई है. उन्होंने एबीपी न्यूज से बातचीत में सवाल किया कि आरोपी अब तक बाहर क्यों है और उसके पिता को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए.

बता दें कि मृतक साहिल की मां का ये ताजा बयान आरोपी के पिता के बयान के बाद आया है, जिसमें वह अपने बच्चे की गलती मानते हुए ।

महाराष्ट्रः बीजेपी को बड़ा झटका, 9 पार्षदों ने किया खेल

कांग्रेस का मेयर बनना तय

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका में मेयर चुनाव से पहले सियासी उलटफेर की बड़ी खबर सामने आई है. यहां मेयर के चुनाव से पहले बीजेपी को बड़ा झटका लगा है. उसके 22 पार्षदों में से 9 ने अलग गुट बनाकर कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को समर्थन दिया है. इसके बाद अब कांग्रेस पार्टी के लिए यहां अपना मेयर चुनने का रास्ता लगभग साफ हो गया है. इस महानगरपालिका के चुनाव में कांग्रेस को सबसे अधिक 30 सीटें मिली थीं. हालांकि किसी पार्टी को यहां बहुमत नहीं मिला है. भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका में कुल 90 सीटें हैं.

कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने बुधवार (18) को जानकारी देते हुए बताया कि अलग हुए पार्षदों की ओर से गठित भिवंडी सेक्युलर फ्रंट (बीएसएफ) के समर्थन से कांग्रेस-एनसीपी (एसपी) गठबंधन ने 90 सदस्यीय निकाय में 46 सीटों के बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है.

भिवंडी -निजामपुर महानगरपालिका में कांग्रेस का मेयर बनना तय?

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि 9 पार्षदों ने हमारा समर्थन करने का फैसला किया है और बीजेपी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच मतभेद पैदा हो गए हैं. गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी ने शिवसेना का समर्थन किया था. पिछले महीने हुए भिवंडी-निजामपुर नगर निगम चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी कांग्रेस अब अपना मेयर और डिप्टी मेयर नियुक्त करने के लिए तैयार दिख रही है.

महाराष्ट्र में 29 महानगरपालिका के चुनाव 15 जनवरी को हुए थे, जबकि नतीजे 16 जनवरी को घोषित किए गए थे।

सीकर: गणेश्वर धाम ब्लास्ट में पुलिस का बड़ा खुलासा, तांत्रिक क्रिया से जुड़ा है मामला

सीकर

सीकर जिले के नीमकाथाना क्षेत्र स्थित गणेश्वर धाम पर हाल ही में 12 फरवरी को हुए सूटकेस ब्लास्ट मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है. पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला तांत्रिक क्रिया से जुड़ा होना सामने आया है. इस संबंध में पांच आरोपियों को डिटेन कर पूछताछ की जा रही है. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश मीणा ने प्रेस वार्ता में बताया कि झुंझुनू, उदयपुरवाटी और गुढ़ागढ़ौजी थाना क्षेत्र के कुछ व्यक्ति मेवात (नूंह) निवासी एक तांत्रिक के संपर्क में आए थे. तांत्रिक ने उन्हें एक सूटकेस में कुछ सामग्री देकर उसे धार्मिक स्थल पर विसर्जित करने के निर्देश दिए थे. आरोपी गणेश्वर धाम पहुंचे और विसर्जन के दौरान सूटकेस में विस्फोट हो गया. सूटकेस में रखी सामग्री की फॉरेंसिक जांच जारी है. इस घटना की गंभीरता को देखते हुए आईजी राघवेंद्र सुहासा और एसपी के. प्रवीण नायक नुनावत ने भी मौके का निरीक्षण किया. पुलिस ने विशेष टीमों का गठन कर लगातार चार दिनों तक सघन तलाश अभियान चलाया।

गलगोटिया विश्वविद्यालय ने रोबोडॉग विवाद का ठीकरा प्रोफेसर नेहा सिंह पर फोड़ा, कहा- कैमरे पर आने का उत्साह था

गलगोटिया

रोबोडॉग विवाद के बीच, गलगोटिया विश्वविद्यालय ने बुधवार को एक नया स्पष्टीकरण जारी कर इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में हुई 'भ्रम' के लिए माफी मांगी। विश्वविद्यालय ने कहा कि शिखर सम्मेलन में उनका प्रतिनिधि 'गलत जानकारी' से ग्रस्त था और इस गड़बड़ी का दोष अपने एक प्रोफेसर, नेहा सिंह और कैमरे के सामने आने के उनके 'उत्साह' पर डाला, यह कहते हुए कि उन्हें

उत्पाद की तकनीकी उत्पत्ति की जानकारी नहीं थी।

गलगोटिया विश्वविद्यालय के नए बयान में कहा गया है कि हम गलगोटिया विश्वविद्यालय की ओर से हाल ही में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन में हुई गड़बड़ी के लिए तहे दिल से माफी मांगते हैं। पवेलियन में मौजूद हमारी एक प्रतिनिधि को उत्पाद की तकनीकी जानकारी नहीं थी और कैमरे के सामने आने के उत्साह में उन्होंने गलत जानकारी दे दी, जबकि उन्हें प्रेस से बात करने का अधिकार नहीं था। आयोजकों की भावनाओं को समझते हुए हमने परिसर खाली कर दिया है।

एनडीए के चक्रव्यूह में फंसा जेडीयू, बदलेगा सियासी समीकरण?

बिहार

बिहार में राजनीतिक हलचल मचने की आशंका है। राज्यसभा की पांच सीटों के लिए चुनाव घोषित हो चुके हैं, जिनमें से तीन सीटें सत्तारूढ़ एनडीए के पास हैं। ऐसा लग रहा है कि गठबंधन बाकी बची सीटों को भी कमजोर विपक्ष से छीनने की स्थिति में है। चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 26 फरवरी से शुरू होगी और मतदान 16 मार्च को होगा। इनमें से दो सीटें फिलहाल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के पास हैं।

दोनों मौजूदा सांसद, केंद्रीय मंत्री और भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के पुत्र राम नाथ ठाकुर और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, लगातार दूसरी बार सांसद बने हुए हैं। गौरतलब है कि जेडीयू सुप्रीमो कुमार ने कुछ साल पहले पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह को लगातार तीसरी बार सांसद बनने से रोक दिया था, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था। उस समय पार्टी ने इस फैसले को यह कहकर सही ठहराया था कि किसी भी व्यक्ति को लगातार दो कार्यकाल से अधिक राज्यसभा सीट न देना पार्टी की नीति है।

पार्टी सूत्रों ने इस बात पर चुप्पी साध रखी थी कि क्या इस बार कोई अपवाद होने की संभावना है, क्योंकि घोषित नीति का पालन करने से दोनों मौजूदा सांसदों को उनके संवैधानिक पदों से वंचित होना पड़ेगा। एनडीए के पास मौजूद तीसरी सीट पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा के पास है, जो विवेक ठाकुर के लोकसभा चुनाव जीतने के कारण हुए उपचुनाव में भाजपा के समर्थन से 2025 में उच्च सदन में पहुंचे थे। हालांकि कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण सहयोगी पार्टी है, जो शक्तिशाली ओबीसी जाति कोइरी के वोटों का एक बड़ा हिस्सा देने का वादा करती है। एनडीए सूत्रों का मानना ??है कि उन्होंने अपना बदला ले लिया है, क्योंकि उनके बेटे दीपक प्रकाश विधानसभा सदस्य न होते हुए भी राज्य मंत्रिमंडल में शामिल हो गए हैं।

'हाल की घटनाओं ने चिंता बढ़ाई', पूर्व त्रिवेंद्र सिंह रावत ने पुलिस को दी नसीहत

उत्तराखंड

उत्तराखंड के पूर्व सीएम और मौजूदा सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने उत्तराखंड में हाल के दिनों में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस को नसीहत दी है. उन्होंने कहा कि पुलिस जमीन से जुड़े मामलों में अधिक हस्तक्षेप न करे और अपनी ऊर्जा कानून-व्यवस्था मजबूत करने में लगाए. पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड एक शांत और सौम्य राज्य के रूप में पहचाना जाता रहा है, लेकिन हाल की घटनाओं ने

चिंता बढ़ाई है. देहरादून समेत कई शहरों में सामने आए अपराधों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस को अपनी प्राथमिकता स्पष्ट रखनी चाहिए.

जमीनी विवाद राजस्व विभाग का क्षेत्राधिकार- रावत

रावत का कहना है कि जमीनों से जुड़े विवाद मुख्य रूप से राजस्व विभाग के अधिकार क्षेत्र में आते हैं. ऐसे मामलों में अंतिम निर्णय राजस्व विभाग को ही करना चाहिए. यदि पुलिस इन मामलों में अत्यधिक दिलचस्पी लेगी तो इससे उसकी मूल जिम्मेदारी-कानून-व्यवस्था बनाए रखने-पर असर पड़ सकता है. उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिसिंग को मजबूत करना समय की जरूरत है. अपराध नियंत्रण, गश्त व्यवस्था और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना पैदा करना पुलिस का प्रमुख दायित्व होना चाहिए।

'ये घर वापसी नहीं धर्मांतरण है' संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर भड़के मौलाना शहाबुद्दीन

यूपी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भारतीय मुसलमानों की घर वापसी से संबंधित लखनऊ में मंगलवार को एक बयान दिया, जिस पर अब प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है. ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर प्रतिक्रिया दी है. संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा, इस तरह से बहुत हिंदू नेता हैं जो घर वापसी की बात कह चुके हैं, इसे मैं घर वापसी नहीं धर्मांतरण ही समझता हूं. वो एक तरीके से घर वापसी नहीं है, धर्म बदलना है."

'धर्म परिवर्तन है गैर कानूनी'

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने आगे कहा कि, धर्मांतरण को लेकर कानून बन चुका है, चाहे हिंदू हो या मुस्लिम यदि वह धर्मांतरण कराता है तो वह कानून के कटघरे में खड़ा होगा. मौलाना ने कहा कि, संविधान ने स्पष्ट तरीके से उल्लेख किया है कि जबरदस्ती, दबाव से या प्रलोभन देकर किसी व्यक्ति का धर्म नहीं बदला जा सकता.

अगर कोई ऐसा करता है तो वह गैर कानूनी है.

अविमुक्तेश्वरानंद बहाना, यूपी चुनाव है निशाना!

सपा, कांग्रेस के दावों ने बढ़ाई बीजेपी की मुश्किल

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश स्थित प्रयागराज के माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों यानी बटुकों के साथ हुई प्रशासनिक कहासुनी को लेकर सियासत तेज हो गई है. इस मामले में जहां पहले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कार्रवाई की बात कही थी, वहीं अब उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का बयान सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने बीजेपी में फूट का दावा करना शुरू कर दिया है. बटुकों ने ब्रजेश पाठक को मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद भी दिया, जिससे राजनीतिक चचाएं और तेज हो गई हैं.

अविमुक्तेश्वरानंद के बहाने यूपी में विपक्ष साल 2027 के विधानसभा चुनाव को सेट करने की कोशिश में लगा है. उसके निशाने पर बीजेपी और उसके शीर्ष नेता हैं. माघ मेला प्रकरण पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के अलग-अलग बयानों के हवाले से विपक्ष का दावा है कि इस मुद्दे पर बीजेपी में फूट पड़ गई है.

सपा-कांग्रेस ने क्या कहा?

समाजवादी पार्टी की विधायक रागिनी सोनकर ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी धर्म और जाति के आधार पर राजनीति कर रही है और विकास के मुद्दों से ध्यान भटका रही है. उन्होंने कहा कि बीजेपी की गुटबाजी जनता के लिए अच्छी है क्योंकि इससे 2027 में उनका सफाया होने जा रहा है. बटुकों द्वारा ब्रजेश पाठक को मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद देने पर उन्होंने इसे आपसी खींचतान बताया

और कहा कि सरकार बेसिक विजनरी मुद्दों से हट चुकी है.

कांग्रेस की आराधना मिश्रा ने भी इस पूरे घटनाक्रम को बीजेपी में असहमति का संकेत बताया. उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री कुछ कहते हैं और उनके डिप्टी सीएम उसके विपरीत बयान देते हैं तो यह दुखद है. बीजेपी स्पष्ट करे कि मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा-योगी आदित्यनाथ, ब्रजेश पाठक या केशव प्रसाद मौर्य. उन्होंने दावा किया कि बीजेपी में गुटबाजी साफ दिखाई दे रही है और इसका असर सरकार के कामकाज पर भी पड़ रहा है. उनके मुताबिक विधायक और मंत्री गुटों में बंट चुके हैं और नौकरशाही इसका फायदा उठा रही है, जो प्रदेश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है.

समाजवादी पार्टी के नेता संग्राम सिंह यादव ने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बयान पर कहा, 'उन्हें बोलने में समय लग गया. समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उसी दिन ट्वीट करके कहा कि संगम के किनारे एक अदना अधिकारी शंकराचार्य से सर्टिफिकेट मांग रहा था. यह बिल्कुल भी ठीक नहीं था, लेकिन योगी आदित्यनाथ अहंकार में सत्ता चलाते हैं. उपमुख्यमंत्री को लगता है कि शंकराचार्य के साथ अच्छा व्यवहार नहीं हुआ तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

बेकाबू ट्रैक्टर ने सात वर्षीय बच्चे को कुचला, मौत

प्रयागराज–मिजार्पुर हाईवे पर हुई मौके पर दर्दनाक मौत

अखंड भारत संदेश

मांडा। थाना क्षेत्र में बुधवार को एक बेकाबू ट्रैक्टर ने सड़क किनारे खड़े सात वर्षीय बच्चे को कुचल दिया। इस दुर्घटना में बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना प्रयागराज-मिजार्पुर हाईवे पर बभनी गांव के सामने हुई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहर भेज दिया और ट्रैक्टर को भी जब्त कर लिया है। यह घटना बुधवार शाम करीब 4 बजे की है। बभनी गांव निवासी गुलाम अली का सात वर्षीय बेटा हाईवे के किनारे खड़ा था। तभी मांडा रोड की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई,

जिसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही की। मृतक के चचेरे भाई ने इस संबंध में पुलिस को तहरीर दी है, जिसके आधार पर पुलिस आगे की जांच में जुट गई है।मृतक बच्चा अपने दो भाइयों में छोटा था। उसकी तीन बहनें सलमा, सोनी और छोटी हैं। मृतक की मां का नाम छोटकाई है। वह गांव के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 1 का छात्र था।

25 केवीए का ट्रांसफार्मर जला, मची अफरा तफरी

बारा। तहसील परिसर बारा में स्थित 25 केवीए का ट्रांसफार्मर बुधवार को दोपहर धू धू कर जल गया। ट्रांसफार्मर जलने से अफरा तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक ट्रांसफार्मर से आग की लौ निकलने लगी।आग की लपटे देख कर तहसील में मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे। ट्रांसफार्मर जलने से तहसील परिसर और बारा खास में अंधेरा छा गया है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से अविलंब ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की है।

विद्यालय का ताला तोड़ चोरों ने सीपीयू, मॉनिटर, बैटरी और कैमरा जैसे महत्वपूर्ण कंप्यूटर उपकरण चुराया

मांडा। क्षेत्र के कुरहरा गांव स्थित उच्च प्राथमिक संविलियन विद्यालय में चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर विद्यालय से कंप्यूटर के उपकरण और अन्य कई सामान चुरा ले गए। इस घटना से विद्यालय में बच्चों की कंप्यूटर शिक्षा प्रभावित होने की आशंका है। घटना का पता तब चला जब सुबह विद्यालय के अध्यापक मनजीत सिंह वहां पहुंचे। उन्होंने देखा कि विद्यालय का ताला टूटा हुआ था और अंदर से सामान गायब था। मनजीत सिंह ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी और थाने में तहरीर दर्ज कराई। विद्यालय के प्रधानाचार्य लवकुश पटेल ने बताया कि चोरों ने सीपीयू, मॉनिटर, बैटरी और कैमरा जैसे महत्वपूर्ण कंप्यूटर उपकरण चुरा लिए हैं। इन उपकरणों का उपयोग बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा देने और अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए किया जाता था। सूचना मिलने पर मंडा पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। इस चोरी की घटना से विद्यालय के अध्यापक और हेडमास्टर चिंतित हैं। उनका कहना है कि ऐसी घटनाएं भविष्य में और बड़ी चोरियों को बढ़ावा दे सकती हैं, जिससे शैक्षणिक संस्थानों को नुकसान होगा। यह क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाता है।

पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रारम्भ हुई बोर्ड परीक्षा

एसीपी थरवई व इंस्पेक्टर थरवई ने परीक्षा सेंटरों का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

थरवई। बुधवार को माध्यमिक शिक्षा परिषद यू पी बोर्ड की परीक्षाएं हुई प्रारम्भ। परीक्षार्थियों ने शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा दी। शांतिपूर्ण एवं नकल विहीन परीक्षा के दृष्टिगत एसीपी थरवई अरुण पाराशर एवं इंस्पेक्टर थरवई ने बनाये गए परीक्षा सेंटर का मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न ना हो जिसको लेकर हर परीक्षा केंद्र पर पुलिसकर्मी तैनात रहे। इंस्पेक्टर थरवई ने बताया कि थाना क्षेत्र थरवई अंतर्गत कुल 10 परीक्षा सेंटर बनाये गए हैं जो शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा संपन्न हो रही। परीक्षा सेंटरों में बाबू जे आर डी पाल इंटर कॉलेज थरवई, पं हनुमतदत्त त्रिपाठी इंटर कॉलेज इस्माइलगंज, चौधरी भवानी भीख इंटर कॉलेज, गयादीन विश्वकर्मा इंटर कॉलेज, सुभद्रा देवी इंटर कॉलेज सहित कुल दस विद्यालयों में परीक्षा सेंटर बनाये गए हैं।

जौनपुर से कानपुर जा रही ट्रेलर का मांडा में एक्सीडेंट

हादसे में मंदिर और घर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त

मांडा। क्षेत्र के मांडा थाना अंतर्गत दिघिया बाजार के समीप बीती देर रात बेकाबू ट्रेलर सड़क के किनारे घर में जा घुसी।इससे लोगो में हड़कंप मच गया।हादसा प्रयागराज मिजार्पुर राजमार्ग पर चालक को नीद आने से हुआ।इस हादसे में मंदिर और घर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।जबकि एक बुजुर्ग को भी चोट आई है।हालांकि ग्रामीणों ने भाग रहे चालक को दौड़ा कर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया है।

मांडा थाना क्षेत्र के दिघिया गांव निवासी राम आसरे यादव का बाजार में प्रयागराज मिजार्पुर राजमार्ग पर निजी मकान है।उसी में सक्सेज प्वाइंट कोचिंग सेंटर भी चलता है। बीती मंगलवार की रात जौनपुर से कानपुर जा रही ट्रेलर ट्रक चालक को नीद आने के कारण बेकाबू होकर विपरीत दिशा में सड़क के किनारे मकान में घुस गई।इस दौरान तेज धमाके सुन परिजन घर से निकल भाग खड़े हुए।पल भर में जुटे ग्रामीणों ने भाग रहे चालक विमल कुमार निवासी दुबग्गा,थाना पनकी जिला कानपुर को दौड़ा कर दबोच लिया।वहीं इस हादसे में एक मंदिर,घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई ।जबकि घर में सो रहे बुजुर्ग राज करन यादव को गंभीर चोट आई है।उधर सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया है। इस पूरे मामले की सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर खूब तेजी से वायरल हो रही है।जिसमें ट्रेलर के अनियंत्रित होकर घर में घुसते साफ तौर पर दिखाई दे रहा है।

विधायक कोरांव ने विधानसभा में उठाई क्षेत्र के विकास की मांग

भोगन में बेलन नदी पर सेतु व कोरांव में जाम से राहत हेतु की बाईपास की मांग

बजट पर चर्चा सत्र में बोलते हुए राजमणि कोल ने अपनी आवाज की बुलंद

अखंड भारत संदेश

पसना। कोरांव विधानसभा के विधायक राजमणि कोल ने विधानसभा के बजट सत्र में चर्चा के दौरान क्षेत्र के विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण मांगें उठाईं। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट को लोक कल्याणकारी और जनहितैषी बताया। श्री कोल ने भोगांव गांव में बेलन नदी पर एक नए पुल के निर्माण की मांग की। इसके साथ ही, उन्होंने विधानसभा की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत बड़ोखर को नगर पंचायत का दर्जा देने की भी मांग रखी। विधायक ने बालक-बालिकाओं की शिक्षा के लिए दो राजकीय विद्यालयों की स्थापना की मांग की। उन्होंने कोरांव कस्बे में लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए बाईपास के निर्माण की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

विधायक के इन प्रयासों की क्षेत्रीय जनता ने सराहना की है। भाजपा के मंडल अध्यक्ष हरिकृष्ण द्विवेदी, हाईकोर्ट में अपर शासकीय अधिवक्ता अनिल मिश्रा, महिला मोर्चे की संतरा देवी, अखंड पाण्डेय और संजय सिंह सहित अन्य भाजपा कार्यकताओं ने भी माननीय विधायक राजमणि कोल द्वारा की गई इन मांगों का समर्थन करते हुए हर्ष व्यक्त किया।

मनरेगा बचाओ चौपाल में कांग्रेस का भाजपा पर हमला, अधिकारों की लड़ाई जारी रखने का ऐलान

सहसों। कांग्रेस पार्टी गंगापार द्वारा बुधवार को सहसों के रामपुर गांव में मनरेगा बचाओ चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मनरेगा मजदूरों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मजदूरों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया गया। चौपाल को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कांग्रेस गंगापार जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि जननायक राहुल गांधी के आवाहन पर तथा प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के दिशा-निर्देश में कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के अधिकारों और मनरेगा की पूर्ण बहाली के लिए चौपालों के माध्यम से संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मजदूरों से मनरेगा को बचाने के लिए आगे आने की अपील की और कहा कि कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर संसद तक यह लड़ाई जारी रखेगी। जिलाध्यक्ष ने बेरोजगारी, महंगाई और कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब हो रही है और कोई भी वर्ग सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। किसानों के मुद्दे पर उन्होंने आश्वासन दिया कि वर्ष 2027 में कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बनने पर किसानों को आवारा पशुओं से राहत दिलाने तथा खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव सुनील पाण्डेय ने किया तथा अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष रितेश पासी ने की। इस अवसर पर डा. अमर सिंह पटेल, सद्दाम हुसैन सिद्दीकी, निशा सिंह, आकाश पासी, राम प्यारे पासी, राधा देवी, गीता देवी, सुनीता देवी, संगीता देवी, ऊषा देवी, राम कुमार, सितारा देवी, पुष्पा चौधरी, अनीता देवी, बुल्ले, सुमन देवी, सुनील कुमार, शेष कुमार, देवेन्द्र कुमार, आशीष कुमार, मीरा देवी, राकेश कुमार, राज भारतीया सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

हिंदी का प्रश्नपत्र रहा सरल, विद्यार्थियों के चेहरे खिले

अखंड भारत संदेश

करछना। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल परीक्षा बुधवार से शुरू हो गई। पहले दिन हिंदी विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा देकर केंद्रों से बाहर निकले विद्यार्थियों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी। अधिकांश छात्र-छात्राओं ने प्रश्नपत्र को उनकी तैयारी के अनुरूप बताया।

परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावकों की भीड़ लगी रही। बाहर निकलते ही विद्यार्थियों ने बताया कि प्रारंभ में उन्हें प्रश्नपत्र को लेकर घबराहट थी, लेकिन प्रश्नपत्र हाथ में मिलते ही मन शांत हो गया। कई विद्यार्थियों ने कहा कि जो प्रश्न उन्होंने घर पर तैयार किए थे, उसी से संबंधित प्रश्न पत्र में आए, जिससे उन्हें उत्तर लिखने में आसानी हुई। करमा स्थित बाल विद्या मंदिर बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने बताया कि पहला पेपर हिंदी का था और प्रश्नपत्र अपेक्षाकृत सरल रहा। उन्होंने कहा कि उन्होंने शत-प्रतिशत उत्तर लिखे हैं। इसी प्रकार श्रीमती इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज की छात्रा आकांक्षा ने बताया कि परीक्षा से पहले घबराहट हो रही थी, लेकिन प्रश्नपत्र मिलने के बाद आत्मविश्वास बढ़ गया और अधिकांश प्रश्न तैयारी से ही आए। क्षेत्र के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर भी परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज, लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज, गजरूप सिंह इंटर कॉलेज तथा एम आर तिवारी इंटर कॉलेज सहित अन्य केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण रही। लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज में 365 परीक्षार्थियों में 13 अनुपस्थित रहे। वहीं इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज में हाईस्कूल के 21 तथा इंटर के 17 परीक्षार्थी अनुपस्थित दर्ज किए गए।

सभी केंद्रों पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात रहा। केंद्र व्यवस्थापकों के अनुसार परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई गई।

पत्रकार की माताजी का निधन, परिजन एवं क्षेत्रवासियों ने दी श्रद्धांजलि

जंघई। लोढ़ीडीह, उग्रसेनपुर गांव निवासी राजेश शंकर द्विवेदी समाचार संपादक शंकर पोस्ट साप्ताहिक समाचार पत्र की 92 वर्षीय माताजी बृजकली देवी पत्नी स्व. जटाशंकर द्विवेदी का निधन हो गया है। उनके निधन से परिवार के सदस्य एवं गांव, रिश्तेदार, शोकाकुल है। गांव, क्षेत्र एवं रिश्तेदारों ने उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। शोक संतप्त परिजनों में पंडित शोभनाथ द्विवेदी, हरिकेश द्विवेदी, उमेश द्विवेदी, मुकेश द्विवेदी, रोहित, आशुतोष शंकर विवेक एवं राहुल द्विवेदी अधिवक्ता उच्च न्यायालय, गोलू, अभिषेक द्विवेदी, शनि, सौरभ, गौरव, शिवा द्विवेदी आदि लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया।

बच्चों का भविष्य संवारने में शिक्षक निभायें भूमिका : डॉ विनोद बिंद सांसद

अखंड भारत संदेश

जंघई। हाईटेक मॉडर्न पब्लिक स्कूल कलना, धनूपुर में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह में भदोही सांसद डॉ विनोद कुमार बिंद बतौर मुख्य अतिथि पहुचें, विद्यालय परिवार में उनका बहुत गर्म जोशी के साथ जोरदार स्वागत किया गया। सांसद द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित करके वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों का स्वागत स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण करके किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि ग्रामीणांचल में इस तरह सीबीएसई पैटर्न माडर्न शिक्षा मिलना सौभाग्य की बात है पहले की शिक्षा और अब की शिक्षा में बहुत बदलाव आ चुका है समय के साथ-साथ हम सबको बदलाव लाना जरूरी है ताकि बच्चों को अच्छी एवं उच्चीकृत शिक्षा मिल सके। स्कूल के बच्चे पढ़-लिख कर आगे बढ़े और देश में नाम रोशन करे, मेरी बच्चों के प्रति यही शुभकामना है। उन्होंने कहा कि अभिभावक, शिक्षक स्कूल को आगे बढ़ाने व बच्चों का भविष्य संवारने में अपनी-अपनी भूमिका निभायें, प्रशासन स्तर से जो भी सहयोग संभव होगा इस विद्यालय को देने के लिए मैं तैयार हूं मेरी शुभकामना है कि यह विद्यालय और फले-फूले, विद्यालय के बच्चे पढ़-लिख कर उंचे पदों पर आसीन हो। वार्षिकोत्सव में बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके सभी का दिल जीत लिया। विद्यालय के प्रबंधक समाजसेवी रामजी साहू एवं चेयरमैन महादेव साहू ने आए हुए सभी अतिथियों, एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए स्वागत सत्कार किया कार्यक्रम का संचालन विकास कुमार ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख धनूपुर ज्योति यादव, जवाहरलाल गौड़, रमाकांत बिंद, शीतला प्रसाद, राजाबाबू गुप्ता, वीरेंद्र मौर्य, सर्वेद्र कुमार, हरीश यादव, नवनीत पांडेय, मनोज निगम, बृजेश गुप्ता, कन्हैया गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

अथर्व वेद त्रिपाठी ने जेईई मेन सेशन 1 परीक्षा में 99.6% अंक प्राप्त किया

जंघई। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा जेईई मेन सेशन 1 रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। जिसमें नागरिक पीजी कॉलेज जंघई के कार्यालय अधीक्षक करुणेश त्रिपाठी के भतीजे, डॉक्टर अंबिकेश त्रिपाठी एवं डॉक्टर अर्चना त्रिपाठी के होनहार, शीलवान, वीरवान, योग्य, निपुण एवं कर्मठ पुत्र अथर्व वेद त्रिपाठी ने जेईई मेन सेशन 1 की परीक्षा परिणाम में 99.6% अंक प्राप्त किया है। अथर्व वेद त्रिपाठी की इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ नीरज एवं समस्त शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया है।

इफको फूलपुर में छात्रों का हुआ एक्सपोजर विजिट, उर्वरक उत्पादन प्रक्रिया को समझकर उत्साहित हुए बच्चे

सहसों। विकासखंड सहसों के कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों के लिए बुधवार को इफको फूलपुर में शैक्षिक एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शामिल होकर छात्र काफी उत्साहित नजर आए और उन्होंने सीखने के इस अवसर का भरपूर लाभ उठाया। बीआरसी सहसों से खंड शिक्षा अधिकारी वरुण कुमार मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। इफको फूलपुर पहुंचने पर वहां के कार्मिकों ने बच्चों को विभिन्न प्लांट का भ्रमण कराया और विस्तार से बताया कि किस प्रकार अलग-अलग उर्वरक खाद और अन्य उत्पादों का निर्माण किया जाता है। छात्रों ने उत्पादन प्रक्रिया को गंभीरता से देखा और उससे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इस दौरान एआरपी महेश प्रताप, शिव अवतार साहू, कमल सिंह, मनोज कुमार तथा महिला शिक्षक संघ सहसों की शिखा पांडेय ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस तरह के शैक्षिक भ्रमण से बच्चों को किताबों से बाहर निकलकर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी समझ और जिज्ञासा दोनों बढ़ती हैं। विजिट के दौरान संतोष जायसवाल, अरुण वर्मा, अशोक यादव, गिरिजा देवी, मोना जायसवाल, सविता पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नवयुवक ब्राह्मण समाज की बैठक में यूजीसी कानून के विरोध में आंदोलन की चेतावनी

सहसों। नवयुवक ब्राह्मण समाज की एक आवश्यक बैठक केंद्रीय कार्यालय नीबी गारापुर में बुधवार को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित लवकेश मिश्र ने की। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा लाए गए यूजीसी कानून को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और इसे लेकर संगठन ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि प्रस्तावित कानून समाज को विभाजित करने वाला है और इससे हिंदू समाज में मतभेद पैदा होने की आशंका है। संगठन के पदाधिकारियों ने इस कानून की घोर निंदा करते हुए कहा कि मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए समाज के लोग न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कानून वापस नहीं लिया गया तो नवयुवक ब्राह्मण समाज के नेतृत्व में पूरे देश में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से प्रमोद कुमार शुक्ला, आशुतोष तिवारी, सूर्यमणि पांडे, राजेंद्र प्रसाद पांडे, मुन्ना शुक्ला, लक्ष्मीकांत तिवारी, मनीष तिवारी, उमेश तिवारी, चिंतामणि तिवारी, विजय तिवारी और कुंज बिहारी द्विवेदी सहित कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि के पर्व पर साधु संत श्रद्धालु श्रद्धा में डूबे : अतुल गुप्ता

अखंड भारत संदेश

जसरा। प्रयागराज जसरा के पांडर में महाशिवरात्रि में बड़े धूम धाम से चौकी निकाला गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में ॐ ब्रह्म दरबार साधना केंद्र के संत जय महाराज,पूर्व विधायक बारा उदयभान करवरिया के पुत्र सक्षम करवरिया, सनातनी किन्नर अखाड़ा से टीना मां संत जय महराज महाशिवरात्रि पावन पर्व पर बड़े धूमधाम के साथ शिव बारात में शामिल हुए ।

जय श्री महाकाल ग्रुप के तरफ से आकर्षक झांकियां निकाली गई जगह-जगह साधु संत का स्वागत अभिनंदन हुआ बारा थाना से लगा हुआ बंघलाबाध महाकाल ग्रुप अतुल गुप्ता की अगुवाई में हर वर्ष महाशिवरात्रि पर्व पर संस्कृति कार्यक्रम गीत संगीत के साथ भक्ति मय प्रोग्राम किया जाता है एवं भव्य भंडारे का भी प्रोग्राम महाकाल ग्रुप के द्वारा किया गया। ओम ब्रह्म दरबार साधना केंद्र के जय महाराज शिव मंदिर में पूजन अर्चन करने के बाद मंच पर पहुंचे। और भक्तों के बीच में सनातन परंपरा में भगवान शिव के विषय में चर्चा की। भगवान शिव ऐसे देवता हैं जो जप तप और व्रत के मध्यम से सबसे जल्दी प्रसन्न होते हैं यही कारण है की पौराणिक काल से क्या देवता और क्या दैत्य और क्या आम आदमी औघडदानी शिव की साधना करता चला आ रहा है। फागुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को हर वर्ष महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। महाराज जी के द्वारा ज्योतिष उपाय बताए गए। भगवान शिव का सबसे शक्तिशाली और मूल मंत्र ओम नमः शिवाय पंचाक्षरी मंत्र माना जाता है जो मन शरीर और आत्मा को शुद्ध करने वाला है। यह मंत्र जीवन से दुखों को दूर करके सुख समृद्धि और आरोग्य प्राप्ति के लिए अत्यंत प्रभावशाली है। इसके अलावा महामृत्युंजय मंत्र अकाल मृत्यु के भय को दूर करने के लिए विशेष है। महाशिवरात्रि कार्यक्रम पर बघेली कलाकार अविनाश तिवारी ने शिव भजन किया।मिश्रा बंधू भक्ति गीत के माध्यम से श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया संचालन शिवम त्रिपाठी के द्वारा किया गया अपने अमृत वाणी से भगवान शिव पार्वती के विषय में चर्चा भी किया श्रद्धालुओं की तालियो से गूंज उठा पंडाल ओम नमः शिवाय से गूंज उठा पूरा पंडाल। महाशिवरात्रि कार्यक्रम में राजेश त्रिपाठी कमलेश त्रिपाठी, समाजसेवी मुकेश द्विवेदी, परवेज आलम, सत्यम दुबे, अनुज तिवारी, आदर्श तिवारी, अनुज शुक्ला, विनय पांडे, अनिकेत शुक्ला, प्रदीप दुबे, अरविंद दुबे, भोले दुबे, अंशु तिवारी, राम जी तिवारी, रवि यादव, स्वामी जी शुक्ला आदि भक्त गण मौजूद रहे।

राहुल केसरवानी द्वारा सहसों में लगा निःशुल्क विशाल नेत्र शिविर, 200 मरीजों की हुई जांच

सहसों। सहसों के कांदी रोड स्थित रोहित गेस्ट हाउस में बुधवार को पूर्व ग्राम प्रधान राहुल केसरवानी के द्वारा निःशुल्क आंखों की जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए राहुल केसरवानी ने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य आंखों के प्रति जागरूक रहने की अपील करते हुए बताया कि वह अपने स्वर्गीय पिता प्यारे लाल की पुण्य स्मृति में पिछले 13 वर्षों से लगातार हर माह की 18 तारीख को इस निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन करते आ रहे हैं।

शिविर में श्री सद्गुरु सेवा ट्रस्ट चित्रकूट धाम से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने लगभग 200 मरीजों की निःशुल्क आंखों की जांच की। जांच के दौरान 25 मरीजों को चिन्हित कर मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए भेजा गया। इस अवसर पर गणेश वल्लभ द्विवेदी ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम सराहनीय है और इससे गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को बड़ा सहयोग मिलता है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रंजीत यादव, आशीष, आशीष शुक्ला, दीपक पाल, राजेंद्र सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने यूपी बोर्ड की परीक्षा के लिए बनाये गये परीक्षा केन्द्रों का किया भ्रमण

परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने वालों के विरूद्ध करें कड़ी कार्यवाही-जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमा वर्मा ने बुधवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट बोर्ड परीक्षा-2026 को नकल विहीन कराये जाने के उद्देश्य से ज्वाला देवी इण्टर कालेज, सिविल लाइन सहित अन्य कालेजों में बनाये गये परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया तथा परीक्षा केन्द्रों पर नियुक्त स्टेटिक मजिस्टेट व प्रधानाचार्य से चल रही बोर्ड परीक्षा से सम्बंधित जानकारी ली। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता की जांच की और निर्देश दिए कि सभी सीसीटीवी कैमरे लगातार क्रियाशील रहे साथ ही सीसीटीवी मानीटरिंग सेंटर से लगातार परीक्षा की निगरानी करते रहें। जिलाधिकारी ने परीक्षा केन्द्रों पर पानी की व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरूस्त बनाये रखने के लिए कहा है। उन्होंने प्रधानाचार्यों से कहा कि इस बात का ध्यान रखा जाये कि परीक्षा केन्द्रों के पास कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न टहलते हुए मिले। उन्होंने सख्त निर्देश दिया है कि परीक्षा में किसी भी प्रकार लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगा। परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

मांडा में बोर्ड परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण

सेक्टर मजिस्ट्रेट यमुना प्रसाद वर्मा और इंस्पेक्टर रहे सक्रिय

अखंड भारत संदेश

मांडा। ' क्षेत्र में बुधवार को बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गईं। क्षेत्र के 13 परीक्षा केंद्रों पर लगभग दस हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। पहली पाली में हाईस्कूल हिंदी और दूसरी पाली में इंटरमीडिएट हिंदी प्रथम प्रश्नपत्र की परीक्षा आयोजित की गई।

परीक्षा केंद्रों पर बाहरी व्यवस्था काफी सख्त दिखी। हालांकि, विभिन्न केंद्रों से बाहर निकले परीक्षार्थियों ने आरोप लगाया कि परीक्षा भवनों के अंदर कुछ कमरों में सीसीटीवी कैमरे और वॉयस रिकॉर्डर कुछ समय के लिए बंद करा दिए गए थे। इससे विद्यालय की छात्राओं और कुछ चिह्नित कमरों में छात्रों को बोलकर हिंदी का प्रश्नपत्र हल करने का लाभ मिला।

पुलिस प्रशासन परीक्षा को नकलविहीन संपन्न कराने के लिए मुस्तैद रहा। इंस्पेक्टर मांडा अनिल कुमार वर्मा के नेतृत्व में गठित मोबाइल टीम ने लगातार केंद्रों का भ्रमण किया। सेक्टर मजिस्ट्रेट यमुना प्रसाद वर्मा ने भी परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया और केंद्र व्यवस्थापकों को नकलविहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

मांडा क्षेत्र के बाबू फतेह बहादुर सिंह इंटर कॉलेज बोधीपुर हाटा, जिला पंचायत इंटर कॉलेज दोहथा, परमसुख आदिवासी इंटर कॉलेज धौंखर, जीआईसी बेरी, लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज मांडा खास, स्वतंत्रता सेनानी राजाराम यादव इंटर कॉलेज ढिलिया, श्रीमती महादेवी इंटर कॉलेज बरहा कला, फतेह बहादुर सिंह इंटर कॉलेज चिलबिला, मोहम्मद यासीन इंटर कॉलेज केवलपुर, श्रीमती मालती देवी बालिका इण्टर कॉलेज राजापुर, वशिष्ठ सेवा संघ इण्टर कॉलेज महेवाकला, मंगला प्रसाद इंटर कॉलेज बामपुर और जीआईसी सुरवांदलापुर में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। जनपद प्रयागराज मुख्यालय से 70 किलोमीटर दूर पहाड़ी भूभाग में स्थित होने के कारण पहले दिन प्रयागराज से कोई भी विशेष दस्ता मांडा नहीं पहुंच पाया।

अपनों पर रहम, गैरों पर सितम की तर्ज पर शुरू हुई बोर्ड परीक्षा

मांडा क्षेत्र के 13 परीक्षा केंद्रों पर लगभग दस हजार विद्यार्थियों की परीक्षा शुरू हुई। वाह्य व्यवस्था काफी सख्त, लेकिन परीक्षा भवन से बाहर निकले विभिन्न केंद्रों के परीक्षार्थियों के अनुसार अंदर उन कमरों के सीसीटीवी कैमरे और वायस रिकार्ड्स कुछ अवधि के लिए बंद कराकर स्व केन्द्रों का लाभ ले रही विद्यालय की छात्राओं व कुछ चिह्नित कमरों में बोलकर हिंदी का प्रश्नपत्र हल कराया गया। अपनों पर रहम,गैरों पर सितम को लेकर तमाम छात्रों में गुस्सा भी देखा गया।बोर्ड परीक्षा शुरू होने के साथ ही शिक्षक, शिक्षार्थी, पुलिस, प्रशासन और नकल माफिया अपने अपने ढंग से परीक्षा की तैयारी में लग गये हैं।

न्यूज झरोखा

प्रयागराज नगर निगम का राजस्व निरीक्षक 10 हजार रुपये घूस लेते गिरफ्तार, फाइल पास करने के लिए मांगी थी रकम

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम के राजस्व निरीक्षक अनूप चंद मिश्र को विजिलेंस विभाग की टीम ने 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तर कर लिया। टीम उन्हें अपने साथ ले गई। अनूप चंद्र मिश्र नगर निगम जोन छह के राजस्व निरीक्षक हैं। एक पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई थी कि राजस्व निरीक्षक के द्वारा नगर निगम में रजिस्ट्री नामांतरण की फाइल को पास कराने के एवज में 10 हजार रुपये रिश्वत मांगी जा रही है। टीम ने ट्रैप टीम गठित कर आरोपी को धूमनगंज थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर से रंगे हाथों गिरफ्तर कर लिया। आरोपी नगर निगम के जोन क्षेत्र खुल्दाबाद में तैनात था। गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसके खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। विजलेंस टीम की कार्रवाई के बाद नगर निगम में हड़काम मच गया। विजिलेंस अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी स्तर पर रिश्वृतखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बारा थाने के थानेदार 75 हजार रुपये घूस लेते गिरफ्तार, एंटी करप्शन टीम ने दबोचा

प्रयागराज। कानून के रखवालों पर ही जब कानून तोड़ने लगे तो सवाल पूरे सिस्टम पर खड़े होते हैं। बारा थाना क्षेत्र में ऐसा ही एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एंटी करप्शन टीम ने सुनियोजित ऑपरेशन के तहत थाना प्रभारी को 75 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोच लिया। इस कार्रवाई ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया। सूत्रों के मुताबिक, एक मुकदमे में फाइनल रिपोर्ट लगाने के नाम पर थाना प्रभारी विनोद सोनकर द्वारा आरोपी पक्ष से मोटी रकम की मांग की जा रही थी। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर एंटी करप्शन टीम ने पहले पूरे मामले की गोपनीय जांच की और आरोपों की पुष्टि होने पर जाल बिछाया। तय रणनीति के तहत जैसे ही इंस्पेक्टर ने अपने आवास पर 75 हजार रुपये की रिश्वत ली, टीम ने तुरंत दबिश देकर उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से रिश्वत की रकम सहित कई अहम साक्ष्य भी जब्त किए हैं। गिरफ्तारी की खबर फैलते ही पुलिस विभाग में खलबली मच गई और उच्चाधिकारियों ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल रिपोर्ट तलब कर ली है। आरोपी इं स्पेक्टर को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है, वहीं उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई के साथ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

लालबहादुर शास्त्री पॉलिटेक्निक के छात्रों को जॉब नियुक्ति पत्र, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनिल शास्त्री ने किए वितरित

मांडा। लाल बहादुर शास्त्री पॉलिटेक्निक, मांडा में एक समारोह आयोजित किया गया। इसमें अंतिम वर्ष के छात्रों को प्रतिष्ठित कंपनियों - धूत ट्रांसमिशन लिमिटेड, एस. के. एच. मेटल इंडिया लिमिटेड और एस के कन्वेयर्स प्राइवेट लिमिटेड - में चयन के बाद जॉब नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। नियुक्ति पत्र पूर्व केंद्रीय मंत्री अनिल शास्त्री, वाइस चेयरमैन मंजू शास्त्री और प्रबंधक चौधरी जितेंद्र सिंह ने वितरित किए। इसी समारोह में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर, कुछ अभिभावकों ने छात्रों को मिले वेतन को लेकर अपनी मायूसी व्यक्त की। वहीं, संस्थान के पूर्व प्रधानाचार्य अरुण कुमार सिंह के शिक्षण कार्य और कुशल व्यवहार की आज भी क्षेत्र में सराहना की जा रही है। संस्थान के प्रधानाचार्य रजनीश उपाध्याय ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत और संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर पवन केशरी ने किया।

थाना फाफामऊ में लंबित विवेचनाओं की समीक्षा, पुलिस उपायुक्त ने दिए कड़े निर्देश

प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त गंगानगर ने थाना फाफामऊ के विवेचकों के साथ अर्दली रूम में बैठक आयोजित की। बैठक में थाना स्तर पर लंबित विवेचनाओं की गहन समीक्षा की गई और मामलों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर दिया गया। पुलिस उपायुक्त ने समस्त विवेचकों को निर्देशित किया कि विवेचनाओं में निष्पक्षता और कर्तव्यपरायणता का पालन करते हुए काम किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबित प्रकरणों का समय पर समाधान सुनिश्चित करना प्राथमिकता होगी। बैठक में थाना फाफामऊ के सभी विवेचक उपस्थित रहे और उन्होंने आगामी कार्रवाई को लेकर अपनी तैयारियों की जानकारी दी।

टेट की अनिवार्यता खत्म करने को शिक्षक संगठनों ने बनाई रणनीति

प्रयागराज। शिक्षक भवन, साउथ मलाका में मंगलवार को जिले के तीन प्रमुख शिक्षक संगठनों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) की अनिवार्यता समाप्त किए जाने के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई और इस संबंध में केंद्र सरकार को ज्ञापन भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ, उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ तथा उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष और जिला महामंत्री शामिल हुए। सभी पदाधिकारियों ने एकमत से कहा कि टेट की अनिवार्यता से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए सरकार को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। बैठक में निर्णय लिया गया कि टेट की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर माननीय प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा। इसके लिए शीघ्र ही प्रतिनिधिमंडल जिला प्रशासन से समय लेकर ज्ञापन सौंपेगा। बैठक में जिलाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, विनोद कुमार पाण्डेय, अनुरागिनी सिंह तथा जिला महामंत्री राजेन्द्र अनुरागी और संगीता सिंह भदौरिया उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने कहा कि मांग पूरी होने तक आंदोलन की रणनीति भी बनाई जाएगी।

यूपी बोर्ड परीक्षा 23 केंद्रों पर शुरू 12120 परीक्षार्थी दे रहे परीक्षा

बारा, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा बुधवार से बारा तहसील के तेइस परीक्षा केंद्रों पर शुरू हो गई है। इसमें कुल 12120 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। शासन द्वारा नकल विहीन परीक्षा का दावा किया जा रहा है।इस दावे के बीच बारा तहसील अंतर्गत 23 माध्यमिक विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इसमें तीन राजकीय बालिका इंटर कालेज शंकरगढ़, नारीबारी और जसरा को केंद्र बनाया गया है जबकि आठ सवित्त और एक दर्जन वित्त विहीन माध्यमिक विद्यालय परीक्षा केंद्र है।इन परीक्षा केंद्रों पर कुल 12120 परीक्षार्थी हैं। इसमें 5777 परीक्षार्थी इंटर मीडिएट और शेष 6343 परीक्षार्थी हाई स्कूल की परीक्षा में शामिल हैं। इसमें से अधिकतम वित्त विहीन धनंजय सिंह एवं देव करन पटेल इंटर कालेज देवरी बरगाही नारीबारी में 1093 और स्व राज बहादुर सिंह पटेल इंटर कालेज कांटी में 1009 परीक्षार्थी हैं।इसी तरह कम परीक्षा केंद्रों में सवित्त गांधी शांति निकेतन इंटर कालेज गौहनिया, ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कालेज जसरा और कृषक इंटर कालेज कसौटा में 253-253 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। हास्यास्पद है कि बारा तहसील का सबसे पुराना और बड़ा विद्यालय श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कालेज जसरा में इंटर की परीक्षा में मात्र 73 परीक्षार्थियों का केंद्र बनाया गया है ।यह क्षेत्र में चर्चा का विषय है और शिक्षा विभाग पर सवाल खड़ा कर रहा है।जोनल मजिस्ट्रेट/एसडीएम बारा प्रेरणा गौतम ने बताया कि तहसील के परीक्षा केंद्रों पर नकल विहीन परीक्षा कराने का शासन का संकल्प है। यूपी बोर्ड द्वारा निर्धारित नियमों के तहत परीक्षा न कराने और अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई होगी।

ट्रक हादसे में छात्रा की मौत के बाद सड़क पर शव रख लगाया जाम, गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बहरिया क्षेत्र में सोमवार को ट्रक से कुचलकर 12वीं की छात्रा वैष्णवी मौर्य की मौत के मामले में बुधवार को परिजनों ने जमकर हंगामा किया। पोस्टमार्टम के बाद शव को घर के पास सड़क पर रखकर परिजन जाम पर बैठ गए और ट्रक चालक की गिरफ्तारी व मुआवजे की मांग की। दोपहर 3 बजे के करीब शव लेकर परिजन सरायगनी गांव के बजाज एजेंसी चौराहे पर पहुंचे। उन्होंने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों का कहना था कि 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पुलिस ने न तो ट्रक चालक को गिरफ्तार किया और न ही ट्रक बरामद किया। उनका स्पष्ट कहना था कि गिरफ्तारी और मुआवजे की घोषणा के बाद ही वे अंतिम संस्कार करेंगे। मौके पर बहरिया थानाध्यक्ष, एसीपी फूलपुर विवेक यादव और तहसील प्रशासन के अधिकारी पहुंचे। एसीपी ने बताया कि ट्रक बरामद कर लिया गया है और चालक की तलाश जारी है। मुआवजे के संबंध में तहसील प्रशासन के अधिकारी परिवार से वार्ता कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार हादसा सोमवार दोपहर सरायगनीझधमौर ईदगाह मोड़ के पास हुआ। अनियंत्रित ट्रक ने फुफेरे भाई के साथ बाइक पर एग्जाम सेंटर देखने जा रही 17 वर्षीय छात्रा वैष्णवी को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। छात्रा सरायगनी की निवासी थी और बुधवार से उसकी इंटर की परीक्षा शुरू होने वाली थी।

तीन बच्चों की मां को भगा ले गया आशिक, पति परेशान

करछना। तीन बच्चों को पिता के भरोसे छोड़कर उसकी मां को उसका आशिक बहला फुसला कर भगा ले गया। आठ माह से अपनी पत्नी की तलाश में विभिन्न अधिकारियों की चौखट पर पीड़ित पति न्याय की गुहार कर रहा है। करछना थाना क्षेत्र के कोसगढ़, बरांव गाँव निवासी कोतवाले पुत्र भाईलाल ने स्थानीय अधिकारियों सहित सीएम पोर्टल पर शिकायत की कि 19 अगस्त 2025 को मिजार्पुर निवासी रमेश पुत्र अज्ञात बहला फुसला कर उसकी पत्नी शकुन्तला (37) वर्ष को भगा ले गया। जाते वक्त उसकी पत्नी 70 हजार रुपये के लागत का गहना और मोबाइल भी ले गयी है। उसके तीन बच्चे घर पर ही हैं। यह भी आरोप लगाया कि रमेश उसकी पत्नी को ब्लैकमेल करके नासिक, महाराष्ट्र ले गया है और फोन पर पीड़ित को भी धमकी देती है। पीड़ित ने सीएम से न्याय की गुहार की है।

मेजा के कुंवरपट्टी में डीजीएस परिवार ने कराया 51 कन्याओं सामूहिक विवाह

अखंड भारत संदेश

मेजा। कुंवर पट्टी में डीजीएस परिवार द्वारा 51 गरीब कन्याओं का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया इस पूरे आयोजन की जिम्मेदारी डीजीएस परिवार ने संभाली दूर दराज से आये मेहमानों के लिए भोजन और बैठने की उचित व्यवस्था की गई थी बारातियों का पारंपरिक ढंग से तिलक लगाकर स्वागत किया गया विवाहित बेटियों को गृहस्थी के लिए आवश्यक सामान भी दान स्वरूप दिया गया इसमें सोने चांदी के जेवरात स्कूटी पलंग सोफा गद्दा सिंगार दान और टीवी जैसे उपहार शामिल थे डीजीएस परिवार के प्रमुख सदस्यों मे सूर्य देव ब्रह्मा देव ईश्वर देव और जन सेवक इंद्रदेव उर्फ राजू भैया ने बताया कि इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य आर्थिक स्वरूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का सम्मान पूर्वक विवाह करना है परिवार के सदस्य सभी व्यवस्थाओं की देखरेख में लगे रहे विवाह की सभी रस्म रीति रिवाज के साथ संपन्न कराया गया। इस मौके पर मेजा थाने की भारी मात्रा में पुलिस बल के जवान भी तैनात रहे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए कोर अधिकारियों का सम्मान, मुख्यालय में हुआ समारोह

प्रयागराज। केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन (कोर) मुख्यालय में बुधवार को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कार्यालय परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें रेल विद्युतीकरण से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। समारोह में रामेन्द्र कुमार तिवारी, अपर सदस्य (रेल विद्युतीकरण), रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य के लिए कल्याण सिंह, उप मुख्य विद्युत अभियंता, कोर को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि यह सम्मान कर्मचारियों को बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करता है और संगठन की कार्यक्षमता को नई दिशा देता है। पुरस्कार वितरण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इसमें मुख्यालय और विभिन्न परियोजनाओं से बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया।

24 घंटे बाद भी गंगा में डूबे कार्तिक का कोई सुराग नहीं, एसडीआरएफ का सर्च ऑपरेशन जारी

अखंड भारत संदेश

झूंसी। माघ मेला क्षेत्र के पीपा पुल संख्या 4 के पास मंगलवार को गंगा स्नान के दौरान डूबे किशोर कार्तिक का 24 घंटे बीत जाने के बाद भी कोई पता नहीं चल सका है। बुधवार को वाराणसी से आई एसडीआरएफ की टीम ने स्थानीय पुलिस और गोताखोरों के साथ मिलकर दिन भर सघन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन शाम तक टीम के हाथ खाली रहे।मंगलवार दोपहर झूंसी निवासी चार किशोर दोस्त सत्यम, शिवम, कार्तिक और आदित्य गंगा स्नान करने गए थे। चारों दोस्त पुल नंबर 4 के पास स्नान कर रहे थे, तभी कार्तिक और आदित्य गहरे पानी की चपेट में आकर तेज बहाव में बहने लगे साथ मौजूद सत्यम और शिवम ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन लहरों की रफ्तार इतनी तेज थी कि दोनों उनकी आंखों के सामने ओझल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से मंगलवार को ही आदित्य का शव बरामद कर लिया था पर कार्तिक का कहीं पता नहीं चला। बुधवार सुबह से वाराणसी से आई एसडीआरएफ ने कई किलोमीटर के दायरे में सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन तेज लहरों के कारण सफलता नहीं मिली। कार्तिक और आदित्य न केवल गहरे दोस्त थे, बल्कि साथ में ही खेलते और पढ़ाई करते थे। इस हादसे ने पूरे मोहल्ले में मातम फैला दिया है। कार्तिक की माँ और बहनें घाट पर ही टकटकी लगाए बैठी हैं। वे भगवान से किसी चमत्कार की उम्मीद कर रही हैं। चौकी प्रभारी नई झूंसी हरिशंकर मिश्रा का कहना है कि तलाश अभी जारी है और कल सुबह पुनः अभियान शुरू किया जाएगा।

फर्जीवाड़ा मामले में वांछित आरोपी और उसके गुर्गों द्वारा प्रधान को दी जा रही है हत्या की धमकियां

पीड़ित प्रधान की पत्नी फूलकुमारी बिंद ने थाना मेजा सहित पुलिस अन्य उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र देकर आरोपी की गिरफ्तारी और जानमाल की सुरक्षा की लगाई गुहार

अखंड भारत संदेश

रामधारी बिंद (कल्लू नेता)

मेजा। मेजा थाने में फजीवाड़ा मामले में वांछित अभियुक्त और उसके कथित गुर्गों द्वारा मुकदमें में सुलह समझौता न करने पर ग्राम प्रधान और उनके परिजनों की खुलेआम हत्या कर एवं करा देने की धमकी दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है पीड़ित प्रधान की पत्नी फूलकुमारी बिंद ने थाना मेजा सहित पुलिस के अन्य पुलिस के उच्चाधिकारियों को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही के साथ साथ आरोपी की गिरफ्तारी और जानमाल की सुरक्षा किए जाने की गुहार लगाई है। प्रकरण मेजा थाना क्षेत्र के मेड़रा गांव का है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी श्रीमती फूलकुमारी बिंद पत्नी रामधारी बिंद उर्फ कल्लू नेता ने बुधवार 18 फरवरी को थाना मेजा और पुलिस के अन्य उच्चाधिकारियों को दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र में इस बात का उल्लेख करते हुए लिखा है कि उनके पति रामधारी बिंद पुत्र स्व.अमृत लाल वर्तमान ग्राम प्रधान हैं। तहरीर में प्रधान की पत्नी का आरोप है कि उनके पति के नाम का बना लेटरपैड और मोहर गांव का ही राजू बिंद उर्फ राजीव पुत्र बसंतलाल जो जमुआ गांव में सहज जनसेवा केंद्र चलता है तथा गांव के आम लोगों का जाति आय निवास के अलावा जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में स्वयं के द्वारा तैयार किए गए फर्जी लेटरपैड मोहर और प्रधान फर्जी हस्ताक्षर का इस्तेमाल किया करता था जिसकी जानकारी हल्का लेखपाल के जरिए होने पर उक्त सहज जनसेवा संचालक के विरुद्ध उनके पति रामधारी बिंद द्वारा थाना मेजा में मुकदमा अपराध संख्या 21/2026 बी एन एस की धारा 319 (2) 318 (4) 333,336 (3) 340 (2) दर्ज कराया गया है। इतना ही नहीं प्रधान की पत्नी फूलकुमारी ने थाना मेजा में दी गई लिखित शिकायत में इस बात का भी आरोप लगाते हुए लिखा है कि उक्त मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही वांछित अपराधी राजू बिंद उर्फ राजीव और गांव के ही उसके कथित गुर्गे महावीर मुन्ना मोतीलाल पुत्रगण रामसजीवन, लद्दार पुत्र मोतीलाल, हरीलाल ओमप्रकाश संगमलाल पुत्रगण रामअचल ननकऊ पुत्र अंबा प्रसाद शंकरलाल पुत्र रामा तथा भाईलाल लालचंद्र पुत्रगण शंकरलाल द्वारा मुकदमें में सुलह समझौता के लिए आए दिन दबाव डालने हुए विभिन्न प्रकार की धमकियां दी जा रही हैं। प्रकरण के बावत फूलकुमारी की बातों को सच माना जाय तो उनके अनुसार जब उनके प्रधान पति ने सुलह करने से इंकार कर दिया तो उक्त सभी आरोपियों ने बीते 17 फरवरी को 8 बजे रात रिश्तेदारी घर लौट रहे प्रधान रामधारी बिंद को कूंची गांव के रास्ते में रोके और गालियां देते हुए हत्या करने की कोशिश में थे कि इसी बीच मौका पाकर प्रधान बाइक सहित भाग निकले और बदहवास हालत में घर पहुंच परिजनों को आपबीती बताया। गौरतलब है कि बात खुलने और थाने तक जाने के भय से उक्त आरोपियों ने प्रधान पर मनगढ़ंत आरोप लगाते हुए हुए थाना मेजा में तहरीर दिया है जबकि प्रधान की पत्नी ने मुकदमें नाजायज ढंग से सुलह करने के दबाव से इंकार करने पर उक्त आरोपियों द्वारा हत्या कर एवं करा देने की धमकी देते हुए आरोपी की गिरफ्तारी और जानमाल की सुरक्षा को लेकर शिकायती पत्र दिया है।

युवाओं का कौशल विकास ही राष्ट्र निर्माण की है वास्तविक शक्ति : जी श्रीनिवास

मेजा। मेजा ऊर्जा निगम द्वारा नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत कौशल विकास पहल के तहत सीपेट लखनऊ में प्रशिक्षित युवक एवं युवतियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र एवं नियुक्ति पत्र प्रदान करने के लिए बीते मंगलवार एक समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह एमयूएनपीएल के सेंट जोसफ स्कूल सभागार में आयोजित हुआ,जिसमें 88 प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र एवं नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। उल्लेखनीय है कि स्किल इंडिया मिशन के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में निगम का यह एक महत्वपूर्ण कदम है जिसे इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से पूरा किया जा रहा है। ₹युवा शक्ति देश का भविष्य है,के मद्देनजर उन्हें सही प्रशिक्षण और अवसर देकर हम एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत की नींव रख सकते हैं। इसी क्रम में मेजा ऊर्जा निगम द्वारा नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत सीपेट लखनऊ के सहयोग से युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार से जोड़ने का सफल प्रयास किया गया है। बता दें कि प्रशिक्षार्थियों को सीपेट, लखनऊ में चार माह का निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण निम्नलिखित ट्रेडों में प्रदान किया गया, जिसके उपरांत सौ प्रतिशत प्लेसमेंट सुनिश्चित किया गया है जिसमें मशीन ऑपरेटर प्लास्टिक प्रोसेसिंग 42 प्रशिक्षार्थी और मशीन ऑपरेटर इंजेक्शन मोल्डिंग 45 प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षित युवाओं को न केवल प्रमाण पत्र मिले, बल्कि उन्हें महाराष्ट्र, गुजरात और हरियाणा राज्यों की विभिन्न अग्रणी कंपनियों में नियुक्तियां भी प्राप्त हुई हैं। इस समारोह के मुख्य अतिथि मेजा ऊर्जा निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी श्रीनिवास राव रहे। समारोह के दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ह्युवा शक्ति देश का भविष्य है। उन्हें सही प्रशिक्षण और अवसर देकर हम एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रख सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि कौशल विकास ही राष्ट्र निर्माण की वास्तविक शक्ति है। श्री जी श्रीनिवास का मानना है कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराते हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और तकनीकी दक्षता का भी विकास करते हैं, जिससे वे उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें। इस दौरान समारोह में मौजूद सभी प्रशिक्षार्थियों को उन्होंने उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर नरेंद्र नाथ सिन्हा (महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण),अशोक कुमार सामल (महाप्रबंधक अनुरक्षण), डॉ एके चौधरी (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), विवेक चन्द्र (अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन), अनिल कुमार (नीम अध्यक्ष) आदि के अलावा केपी सिंह सीपेट अधिकारीगण, ग्राम प्रधान, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम न केवल युवाओं के कौशल को निखारने का कार्य किया, बल्कि ह्यकौशल भारत कुशल भारत मिशन के अनुरूप ग्रामीण प्रतिभा को सक्षम बनाकर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित किया है। यह स्पष्ट संकेत है कि सही दिशा, संसाधन और संकल्प के साथ ग्रामीण भारत के युवा भी तकनीकी दुनिया में आत्म विश्वास के साथ आगे बढ़ सकते हैं।

डीएम ने बोर्ड परीक्षा हेतु बनाये गये कन्ट्रोल रूम व मानीटरिंग सेल का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद में प्रारंभ हुई हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा-2026 को नकलविहीन, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षाओं के पहले ही दिन जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूमध्मॉनिटरिंग सेल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम में स्थापित 13 कंप्यूटर सेटों के माध्यम से विभिन्न परीक्षा केंद्रों की लाइव सीसीटीवी फुटेज देखी। कई केंद्रों पर कैमरे सुचारु रूप से संचालित पाए गए, लेकिन कुछ विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरे ठीक से कार्य नहीं कर रहे थे। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक को तत्काल सभी कैमरों को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। साथ ही मौके पर उपस्थित जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को भी निर्देशित किया गया कि तकनीकी खामियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए, ताकि परीक्षा की निगरानी में किसी प्रकार की शिथिलता न रहे।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिन विद्यालयों के सीसीटीवी कैमरे समय से ठीक नहीं कराए जाएंगे, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा आवश्यकता पड़ने पर आगामी बोर्ड परीक्षाओं में संबंधित विद्यालयों को ब्लैकलिस्ट भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता से किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देशित किया कि कंट्रोल रूम में जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शिफ्टवार ड्यूटी लगाई गई है, वे समय से उपस्थित होकर लगातार मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की उपस्थिति पाए जाने पर उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा कक्ष में उपस्थित परीक्षार्थियों की वास्तविक उपस्थिति का सीसीटीवी फुटेज से मिलान अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि किसी प्रकार की अनियमितता की संभावना समाप्त हो सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिया कि वे स्वयं भी क्षेत्र भ्रमण कर परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करते रहें और कंट्रोल रूम की व्यवस्थाओं की समय-समय पर निगरानी करते रहे। उन्होंने कहा कि प्रशासन, शिक्षा विभाग और पुलिस विभाग के बीच समन्वय बनाकर परीक्षा को सकुशल संपन्न कराया जाए। उल्लेखनीय है कि जनपद में बोर्ड परीक्षा 18 फरवरी से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएगी। परीक्षाएं दो पालियों में संपन्न होंगी। जिले में कुल 166 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जबकि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट स्तर पर कुल 1,02,983 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। निरीक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

परीक्षा देकर लौट रहे छात्रों पर हमला, चार घायल

बेलखरनाथ धाम। परीक्षा देकर घर रहे लौट रहे इंटर के छात्रों पर अज्ञात हमलावरों ने लाठी डंडे से हमला कर दिया। जिसमें चार छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों का इलाज के बाद थाने लेकर चली गई।

फतनपुर थानाक्षेत्र के रायबद्री पाल सिंह इंटर कॉलेज के छात्र पट्टी कोतवाली क्षेत्र के अलगू राम इंटरमीडिएट कालेज गडौरी में परीक्षा देने आए थे। इंटरमीडिएट की दूसरी पाली की परीक्षा देकर छात्र वापस घर लौट रहे थे। उसी समय उडैयाडीह बाजार में लगभग एक दर्जन अज्ञात हमलावरों ने छात्रों पर हमला कर दिया। मारपीट की घटना में छात्र आदित्य, करन, चांद बाबू व समीर को चोटें आई। उक्त सभी छात्र जौनपुर जिले के सुजानगंज थानाक्षेत्र के गुवावां भीलमपुर के निवासी बताए गए। हमलावरों ने उन्हे घेर कर लाठी डंडे व ईंट से जमकर मारापीटा। गनीमत रही कि उसी समय पूरेधना चैकी इंचार्ज कमलेश यादव पहुंच गए तब तक अज्ञात हमलावर भाग निकले। इस दौरान चैराहे पर अपना तफरी मच गई। चैकी इंचार्ज ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार करा कर कोतवाली लेकर चले गए।

न्यूज झरोखा

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार व पीबी कॉलेज में 19 को आयोजित होगा कार्यक्रम

प्रतापगढ़। भारतीय भाषा अभियान प्रतापगढ़ इकाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किए जाने की योजना है। उक्त कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली के अपर महाधिवक्ता व भारतीय भाषा अभियान के राष्ट्रीय संयोजक जयदीप राय व विशिष्ट अतिथि डीएम शिव सहाय अवस्थी एवं एसपी दीपक भूकर होंगे तथा मुख्य वक्ता विभाग प्रचारक ओम प्रकाश होंगे।वहीं शनिवार को ही दूसरा कार्यक्रम प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ में आयोजित होगा,जिसमें मुख्य अतिथि जयदीप राय एवं मुख्य वक्ता आरएसएस के विभाग प्रचारक ओमप्रकाश होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक राजा अनिल सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्राचार्य प्रोफेसर अमित श्रीवास्तव होंगे । उक्त दोनों कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शिक्षा संस्कृति न्यास उत्थान के क्षेत्रीय संयोजक पूर्णेन्दु मिश्रा व काशी प्रांत के संयोजक अजय मिश्रा शामिल होंगे।कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु 19 फरवरी 2026 को अधिवक्ता भवन में अपराह्न एक बजे योजना बैठक आहूत की गई है। उक्त जानकारी भारतीय भाषा अभियान के जिला संयोजक महेश कुमार गुप्ता ने देते हुए बताया कि बैठक में सभी दायित्वधारी आपेक्षित है।

दीपांकर मिश्र ने जेआरएफ में किया टॉप

कुंडा। तहसील क्षेत्र के विकास खण्ड बिहार क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत तिवारी महमदपुर निवासी दीपांकर मिश्र पुत्र दिवाकर मिश्र ने जेआरएफ वर्ष 2025 की ऑल इंडिया परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करते हुए टॉप किया है। दीपांकर ने इतिहास विषय में 99.97 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले सहित पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। दीपांकर मिश्र इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र रह चुके हैं। उनकी सफलता के पीछे परिषदीय शिक्षक बाबा शीतला प्रसाद मिश्र नगरहा, पिता प्रधानाचार्य दिवाकर मिश्र तथा गुरुजनों का विशेष योगदान और आशीर्वाद रहा है। जेआरएफ में टॉप करने पर ग्रामीणों में खासा उत्साह है। दीपांकर की यह सफलता ग्रामसभा तिवारी महमदपुर के युवाओं में शिक्षा के प्रति नवजोश का संचार है। ग्रामसभा तिवारीमहमदपुर के दीपांकर की इस सफलता पर ग्रामप्रधान पूनम सिंह व शिक्षा के क्षेत्र में बड़े आयाम स्थापित कर रहे प्रधान प्रतिनिधि हर्षवर्धन सिंह समेत गांव के तमाम युवाओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अवैध कब्जे की शिकायत डीएम से, पैमाइश व कार्रवाई की मांग

पट्टी। तहसील क्षेत्र के बाबा बेलखरनाथ धाम विकास खंड अंतर्गत जाफरपुर गांव में गाटा संख्या 104 जो राजस्व अभिलेखों में नवीन परती खाते में दर्ज है, पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के ही दबंग लोगों द्वारा उक्त भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है। मामले में गांव निवासी यासिर खान पुत्र नसीरउद्दीन खान ने इस संबंध में प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने जिला अधिकारी को शिकायती पत्र देकर अनुरोध किया है कि उपजिलाधिकारी पट्टी को निर्देशित किया जाए कि राजस्व टीम एवं पुलिस बल की मौजूदगी में गाटा संख्या 104 की पैमाइश कराकर विधिवत निशानदेही कराई जाए, ताकि भूमि की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। शिकायतकर्ता का कहना है कि पूर्व में भी इस संबंध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था किंतु कथित अतिक्रमणकारियों के प्रभाव के कारण तहसील प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में उन्होंने निष्पक्ष जांच, भूमि की पैमाइश तथा अवैध कब्जा धारकों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की मांग की है। मामले में जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने तहसीलदार को जांच कर अवैध निर्माण को रोकने के आदेश दिए हैं।

युवती के खाते से 67 हजार रुपये निकाले, शिकायत

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के आसपुर देवसरा विकासखंड अंतर्गत रमईपुर नेवादा गांव निवासी इंसान अली ने बुधवार सुबह करीब 11 बजे पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि एक महिला द्वारा उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर उसके खाते से 67 हजार रुपये निकलवा लिए गए। पीड़ित के अनुसार जब मामले की जानकारी परिजनों को हुई तो वे संबंधित महिला के पास पैसे वापस मांगने गए, लेकिन उसने रकम लौटाने से इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़ित ने थाने में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में उप निरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दबंग पड़ोसियों ने घर में घुसकर महिला को पीटा, तोड़फोड़

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के शेखपुर अठगवां गांव में दबंग पड़ोसियों द्वारा एक महिला के साथ मारपीट और तोड़फोड़ किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता सुशीला देवी ने पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता के अनुसार, पड़ोसी उसके घर के सामने आकर गाली-गलौज कर रहे थे। जब उसने इसका विरोध किया तो आरोप है कि वे लोग आक्रोशित होकर जबरन घर में घुस आए और मारपीट करने लगे। इस दौरान महिला को चोटें आईं। आरोप यह भी है कि हमलावरों ने घर में रखा सामान तोड़ दिया, जिससे नुकसान हुआ। सुशीला देवी ने चार लोगों को नामजद करते हुए कोतवाली में तहरीर दी है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद से पीड़ित परिवार दहशत में है। पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हो गई है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव में पहले भी दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो चुकी है। फिलहाल पुलिस पूरे प्रकरण की छानबीन में जुटी है।

शेखपुर अठगवा में श्रीमद् भागवत कथा आज से

बेलखरनाथ धाम। पट्टी तहसील क्षेत्र के शेखपुर अठगवा में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 19 फरवरी से आयोजित किया जा रहा है। जिसमें श्रीधाम वृंदावन से पधारे कथा व्यास डॉ साईं शंकर मृदुल जी महाराज होंगे। कथा के मुख्य यजमान पं रामचंद्र शुक्ल व सरोज शुक्ल है।आयोजक राजीव कुमार शुक्ल ने बताया कि 19 को प्रथम बेला 9 बजे कलश यात्रा निकलेगी उसके बाद श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 2 से 5 बजे तक होगा। उन्होंने सभी भक्तों को आमंत्रित करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया है।

अपहरण का वांछित गिरफ्तार, भेजा गया जेल

लालगंज। कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान अपहरण के मुकदमे में वांछित चल रहे एक आरोपी को धर दबोचा। गिरफ्तार किए गए आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया। लालगंज कोतवाली के दरोगा विवेक कुमार यादव बुधवार को सुबह पुलिस फोर्स के साथ गश्त पर निकले थे। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर अपहरण के मुकदमें में वांछित चल रहे सारीपुर निवासी अंतिम पटेल पुत्र ऊदल पटेल को रानीगंज कैथौला बस स्टॉप के पास से धर दबोचा। दरोगा ने बताया कि गिरफ्तार वांछित को जेल भेज दिया गया।

नायब तहसीलदार ने लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी कार्य के प्रगति का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी एवं उपजिलाधिकारी सदर नैंसी सिंह के निर्देशन में नायब तहसीलदार दिनेश चंद तिवारी भारत निर्वाचन आयोग विशेष प्रांगण पुनरीक्षण 2026 उत्तर प्रदेश लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। नायब तहसीलदार दिनेश चंद्र तिवारी ने 248 प्रतापगढ़ के बूथ पूरे ओझा, सगरा, चकबनतोड़, सराय खांडेराय आदि बूथों पर लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी कार्य का निरीक्षण किया। लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी का कार्य बूथ संख्या 31-पुरे ओझा में शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने के लिए बी.एल.ओ. खुर्शीद अहमद एवं सुपरवाइजर धर्मेंद्र ओझा की प्रशंसा की और कहा कि आप लोग पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से भविष्य में भी कार्य करना सुनिश्चित करें अन्य बी.एल.ओ. से कहा कि आप ही का साथी लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया है आप लोग भी उनसे प्रेरणा लेकर शत-प्रतिशत करना सुनिश्चित करें कहीं भी समस्या आए तो सुपरवाइजर धर्मेंद्र ओझा से संपर्क कर कार्य में तेजी लाएं।

कृषि एवं व्यापारियों के हितो लेकर राइजिंग एग्रीकल्चर की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में कृषि एवं व्यापारियों के हितों को लेकर एक महत्वपूर्ण एवं विस्तृत बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जिले में कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए नई संभावनाओं (राइजिंग एग्रीकल्चर) की तलाश करना तथा किसानों और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था, ताकि उत्पादन से लेकर विपणन तक की पूरी प्रक्रिया को सुदृढ़ किया जा सके। बैठक में कृषि विभाग के अधिकारियों, प्रगतिशील किसानों तथा व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक पद्धतियों और बाजार उन्मुख उत्पादन को अपनाकर किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। बैठक के दौरान आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों के प्रयोग, जैविक खेती, बागवानी, मशरूम, ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रावेरी, सब्जी, पान आदि फसल और कृषि यंत्रीकरण पर विशेष जोर दिया गया। डीएम ने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को ऋण व अनुदान एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध करायी जाये जिससे किसानों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। निर्यात की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में उत्पादित होने वाली प्रमुख फसलों एवं बागवानी उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने के लिए गुणवत्ता नियंत्रण, ग्रेडिंग, पैकेजिंग और कोल्ड चेन व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। इसके पश्चात कृषि उत्पादों के संग्रहण एवं प्रसंस्करण केंद्र स्थापित करने की योजना पर विचार किया। स्थानीय स्तर पर कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) को बढ़ावा देने पर भी बल दिया गया, इससे न केवल किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। बैठक में बागवानी, मशरूम, ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रावेरी, सब्जी, पान एवं चन्दन की खेती तथा आम निर्यात से सम्बन्धित किसान ऐशराज सरोज, राघवेन्द्र सिंह, अंजनी शर्मा, जितेन्द्र चैरसिया, सुरेश चैरसिया, आशीष जायसवाल, डा0 अकरम बेग, मो0 नईम,घनश्याम पाण्डेय, प्रमोद तिवारी, दिग्विजय पटेल, शिव शंकर पटेल एवं भानु प्रताप सिंह द्वारा अपने अनुभव को साझा किया गया। व्यापारिक समुदाय के प्रतिनिधियों ने भंडारण की कमी और परिवहन संबंधी समस्याओं पर चर्चा की गयी, इस पर जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि प्रशासन व्यापारियों और किसानों के साथ समन्वय बनाकर पारदर्शी एवं संतुलित व्यवस्था विकसित करेगा। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे तय समयसीमा में कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करें जिससे उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन की मजबूत श्रृंखला स्थापित हो और किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट अनुष्का शर्मा, डीसी मनरेगा सन्तोष कुमार सिंह, उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रियंका सोनी, जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार, जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण व कृषक व व्यापारी उपस्थित रहे।

डीएम व एसपी ने सांसद तथा विधायक के साथ महोत्सव दर्पण का किया लोकार्पण

लालगंज। इक्तीसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव को लेकर महोत्सव दर्पण का समारोहपूर्वक लोकार्पण हुआ। स्मारिका में पर्यटन नगरी बाबा घुइसरनाथ धाम में विकास की श्रृंखला व बाबा की महत्वता को दशार्या गया है। महोत्सव के तीस वर्षो की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक उपलब्धियों तथा बाबा घुइसरनाथ की महिमा से जुडी स्मारिका का संपादन महोत्सव आयोजन समिति की संयोजिका एवं रामपुर खास की विधायक आराधना मिश्रा मोना द्वारा किया गया है। जिले के डीएम शिवसहाय अवस्थी तथा एसपी दीपक भूकर ने बाबा घुइसरनाथ धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष व राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के साथ स्मारिका का विमोचन किया। अतिथियों द्वारा विधायक मोना के संपादन में बाबा धाम के पौराणिक महत्व पर स्मारिका में ज्ञानवर्धक लेख व चित्रों को देखकर स्मारिका को सराहा गया। महोत्सव दर्पण में बाबा घुश्मेश्वर के भव्य आध्यात्मिक गौरव तथा बाबा से जुडी जनश्रुति एवं धाम के माहात्म्य व पर्यटन विकास से जुडी तीसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव दर्पण-2026 में विधायक मोना ने संपादकीय लेख में धाम के सुयश व सुकीर्ति तथा प्रगति के संकल्प में धाम की उपलब्धियों का बेहतरीन खाका खींचा है। स्मारिका महोत्सव दर्पण के जरिये लोगो को बाबा धाम की महत्ता, पौराणिकता एवं पर्यटन नगरी के अदभुत विकास की भी वृहद जानकारियां दी गई है। महोत्सव दर्पण मे बाबा घुइसरनाथ के स्वस्फुटित लिंग के सुफल मंगलफल और सई पार स्थित करील के वृक्ष तथा उपलिंग बूढ़ेश्वरनाथ के साथ प्रथम महोत्सव की शुरूआत से लेकर विगत तीस वर्षो से हो रहे महोत्सव की सांस्कृतिक उपलब्धियो पर भी प्रकाश डाला गया है। विमोचन समारोह का संचालन महोत्सव दर्पण के कार्यकारी संपादक ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। इस मौके पर प्रो0 डॉ0 विजयश्री सोना, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनंदन राय, एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा, सीओ आशुतोष मिश्र, ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह बबलू व इं. अमित सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, दगपाल यादव, रामकृपाल पासी, डॉ. अमिताभ शुक्ल, आशीष उपाध्याय, रामबोध शुक्ल, भगवताचार्य पं. विनय शुक्ल, आदि रहे।

विवाहिता ने दर्ज कराया दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

पट्टी। कस्बे के तुर्कान मोहल्ला निवासी शबा बानो पुत्री अब्दुल जमाल ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार उसकी शादी मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार 20 मई 2024 को परवेज खान पुत्र जहीर खान निवासी ग्राम लौहर दक्षिण पुरवा पूरे अड़ाऊ, थाना धम्मौर जनपद सुल्तानपुर के साथ हुई थी। विवाह के समय उसके पिता, भाइयों व अन्य रिश्तेदारों द्वारा हैसियत के अनुसार नगदी, सोने की अंगूठी, चेन, घड़ी, नथिया, वस्त्र सहित अलमारी, फ्रिज, कूलर, वॉशिंग मशीन और बेड आदि उपहार स्वरूप दिए गए थे। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था। पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर पति परवेज खान, सास खलीकुन निशा, बबलू तथा हवलदार अली के खिलाफ दहेज उत्पीड़न समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है।

हाईस्कूल की परीक्षा देने पहुंचे 56 वर्षीय राम सिद्धि

पट्टी। आसपुर देवसरा इलाके के दलापुर इंटर कॉलेज में एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां 56 वर्षीय राम सिद्धि यादव नामक व्यक्ति को हाईस्कूल में प्रवेश दे दिया गया। बताया जा रहा है कि प्रवेश के संबंध में शासन-प्रशासन से किसी विशेष अनुमति की पुष्टि नहीं की गई। बुधवार को जब राम सिद्धि यादव यूपी बोर्ड द्वारा संचालित हाईस्कूल की हिंदी परीक्षा देने के लिए रामराज इंटर कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र पहुंचे, तब इस पूरे प्रकरण की जानकारी सार्वजनिक हुई। परीक्षा केंद्र पर मौजूद लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बना रहा। इस संबंध में जब विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश चंद्र मिश्रा से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि छात्र का प्रवेश पत्र विधिवत जारी हो चुका है। ऐसे में बोर्ड परीक्षा से उसे वंचित नहीं किया जा सकता। उनका कहना था कि जब प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और प्रवेश पत्र जारी है, तो नियमानुसार परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई। मामले को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं हैं। हालांकि अभी तक प्रशासन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

टेली लॉ से मजबूत हो रहा न्याय पर भरोसा, वीएलई बने कानूनी जागरूकता की कड़ी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आम नागरिकों को निःशुल्क और सुलभ कानूनी परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को विकास भवन सभागार में टेली लॉ योजना पर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों कॉमन सर्विस सेंटर वीएलई की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिवध्अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन शम्भवी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर राज्य समन्वयक टेली लॉ वागीश सिंह द्वारा मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में राज्य समन्वयक टेली लॉ वागीश सिंह ने बताया कि डिजिटल युग में टेली लॉ गरीबों और जरूरतमंदों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रहा है, जिन्हें घर बैठे कानूनी सहायता उपलब्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि टेली लॉ योजना समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने की दिशा में एक भरोसेमंद माध्यम बन चुकी है। प्रारंभिक कानूनी सलाह मिलने से नागरिक अपने अधिकारों को बेहतर ढंग से समझ पा रहे हैं और कई मामलों में विवाद अदालत तक पहुंचने से पहले ही सुलझ रहे हैं। उन्होंने वीएलई को टेली लॉ का सबसे मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भूमिका से ग्रामीण और वंचित वर्ग को समय पर कानूनी मार्गदर्शन मिल रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिवध्अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन शम्भवी ने कहा कि यह योजना आम जनमानस के लिए अत्यंत उपयोगी है, जो लोगों को उनके अधिकारों की रक्षा करने और न्याय को सुलभ बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने 22 फरवरी को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित मेगा कैंप के बारे में बताया। उनके नेतृत्व में कार्यक्रम के दौरान संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ कर उपस्थित वीएलई और प्रतिभागियों को न्याय, समानता और विधि के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में सीएससी सीनियर मैनेजर योगेश मिश्रा ने उपस्थित वीएलई को फॉर्मर रजिस्ट्री, आयुष्मान कार्ड, आईआरसीटीसी सहित कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी और उनके प्रश्नों का समाधान किया।

आग से गृहस्थी राख, किसान नेता ने मदद को बढ़ाया हाथ

पट्टी। आसपुर देवसरा विकासखंड क्षेत्र के हरियौना गांव निवासी हीरालाल बनवासी के घर सोमवार देर रात अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से घर में रखा समस्त गृहस्थी का सामान जलकर नष्ट हो गया। घटना के बाद परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गया है। बताया जाता है कि पीड़ित परिवार पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। आग लगने की इस घटना ने उनकी स्थिति और भी दयनीय कर दी है। सूचना मिलने पर किसान नेता चंदन सिंह पटेल पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और राहत सामग्री उपलब्ध कराई। उन्होंने दाल, चावल, गेहूं, सब्जी, कपड़े सहित अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री व दैनिक उपयोग की वस्तुएं देकर आर्थिक सहयोग किया। इस मदद से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत मिली।किसान नेता चंदन सिंह पटेल की इस दरियादिली की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक का वार्षिक कैलेंडर विमोचित

कुंडा। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री कुंडा विधायक कुंवर रघुराज प्रताप राजा भइया ने मंगलवार को लखनऊ कैंट स्थित अपने रामायण निवास पर पार्टी के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया। मंगलवार को राजा भइया के निवास पर न केवल क्षेत्र से आए फरियादियों का ताँता लगा रहा, बल्कि इसी कड़ी में इस महत्वपूर्ण विमोचन समारोह का भी आयोजन किया गया। राजा भइया ने राजेश सिंह सोमवंशी के इस अनूठे एवं दूरदर्शी प्रयास की हृदय से सराहना करते हुए कहा कि संगठन की असली ताकत उसके कर्मठ कार्यकताओं में निहित होती है। राजेश सिंह सोमवंशी जो कि मुंबई के एक व्यवसायी है वह जनसत्ता दल लोकतांत्रिक और राजा भइया के प्रति अपनी गहन निष्ठा और प्रतिबद्धता के लिए विख्यात हैं। विगत कई वर्षों से वे अपनी निजी लागत पर इस उच्च गुणवत्ता वाले कैलेंडर का प्रकाशन करवा रहे हैं और इसे उत्तर प्रदेश के कोने-कोने तक, शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक, कार्यकताओं और आमजन के बीच वितरित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर इंजीनियर राहुल त्रिपाठी, आकाश तिवारी, जय सिंह, राहुल यादव, प्रधान प्रतिनिधि उतरार विनोद यादव, बादल शुक्ला, माधव शुक्ला, पंकज पांडेय समाजसेवी नीतीश पांडेय राज सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षा में फर्जी परीक्षाथी पकड़े जाने के बाद केंद्र व्यवस्थापक पर खड़े हैं सवाल !

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। सिराथू तहसील क्षेत्र के बोर्ड परीक्षा केंद्र में परीक्षा के पहले दिन ही परीक्षा केंद्र के अंदर फजी परीक्षाथी के पकड़े जाने के बाद केंद्र व्यवस्थापक पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं बोर्ड परीक्षा केंद्र के गेट पर परीक्षाथी के प्रवेश पत्र की केंद्र व्यवस्थापक द्वारा जांच कराई जाती है परीक्षा केंद्र में पहुंचने के पहले परीक्षाथी की तलाशी होती है तो फिर बोर्ड परीक्षा केंद्र के अंदर फजी परीक्षाथी कैसे पहुंचकर बोर्ड परीक्षा दे रहा था और बोर्ड परीक्षा केंद्र के केंद्र व्यवस्थापक कक्ष निरीक्षकों को फजी परीक्षाथी की जानकारी नहीं हुई या फिर केंद्र व्यवस्थापक और कक्ष निरीक्षकों की रहमो करम पर दूसरे परीक्षाथी के स्थान पर परीक्षा देने युवक केंद्र के अंदर पहुंचा था यह बड़ी जांच का विषय है। बोर्ड परीक्षा के दौरान सचल दल की जांच में बुधवार को सिराथू तहसील क्षेत्र के बोर्ड परीक्षा केंद्र में फजी परीक्षाथी का खुलासा हुआ फजी परीक्षाथी के खुलासे के बाद बोर्ड परीक्षा केंद्र के केंद्र व्यवस्थापक के काले कारनामे पर बड़े सवाल खड़े हैं कि जब परीक्षा केंद्र के गेट पर प्रवेश पत्र से परीक्षाथी की पहचान की जाती है उसके बाद परीक्षाथी को केंद्र के अंदर पहुंचने दिया जाता है तो फिर फजी परीक्षाथी कैसे गेट के अंदर प्रवेश कर गया है तो क्या केंद्र व्यवस्थापक की जिम्मेदारी और जवाब देही निष्पक्ष सकुशल बोर्ड परीक्षा सम्पन्न कराए जाने की नहीं बनती है कौशांबी जनपद हमेशा से बोर्ड परीक्षा में नकल कराने के लिए प्रदेश लेवल में टॉप श्रेणी में गिना जाता था और नकल माफिया हमेशा प्रशासनिक व्यवस्था को चौपट कर-के नकल कराने में कामयाब होते रहे हैं बीते इतिहास बताते हैं कि कौशांबी के बोर्ड परीक्षा केदो में खुलेआम नकल हुई है और हमेशा केंद्र व्यवस्थापक कक्ष निरीक्षक और विद्यालय प्रबंधकों ने बोर्ड परीक्षा में परीक्षाथियों को सभी प्रकार से नकल की सहूलियत देकर के धन वसूली किया है दो दशक के बीच कौशांबी के बोर्ड परीक्षा केंद्र के केंद्र व्यवस्थापक प्रबंधक परीक्षाथियों से मोटी रकम वसूलने के बाद अकूत संपत्ति के धनी हो चुके हैं और नकल कराने की आड़ में धन वसूली करने वाले केंद्र व्यवस्थापक और प्रबंधन अपनी आदत सुधार नहीं रहे हैं जिससे बोर्ड परीक्षा में नकल रुकने का नाम नहीं ले रही है कौशांबी के बोर्ड परीक्षा केदो में तो सॉल्वर से उत्तर पुस्तिकाएं कॉपियां भी लिखाई जाती है इसके बदले में परीक्षाथियों से मोटी रकम की वसूली केंद्र व्यवस्थापको द्वारा की जाती है विगत वर्षो के आंकड़े बताते हैं कि दूसरे के स्थान पर परीक्षाथियों से परीक्षाएं दिलाई जाती थी इमला बोलकर कक्ष निरीक्षकों द्वारा बोर्ड परीक्षाथियों के प्रश्न पत्रों का हल कराया जाता रहा इतना ही नहीं उत्तर पुस्तिकाएं तक परीक्षा का समय समाप्त होने के बाद बदल दिए जाने का आरोप केंद्र व्यवस्थापको पर पूर्व में लग चुके हैं और यह सारा खेल शिक्षा विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में केंद्र व्यवस्थापको द्वारा खुलेआम खेला जाता रहा बोर्ड परीक्षा में सुचिता की धज्जियां उड़ाकर नकल कराने की आड़ में धन वसूली करने वाले केंद्र व्यवस्थापको कक्ष निरीक्षकों और प्रबंधकों की आदत इतनी जल्दी सुधर जाएगी इसकी उम्मीद लोगों को नहीं है।

सॉल्वर से उत्तर पुस्तिकाएं लिखवाना परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाएं बदल देना इमला बोलकर नकल कराना कौशांबी के बोर्ड परीक्षा केदो की व्यवस्था में रहा है शामिल

बोर्ड परीक्षा में सुचिता की धज्जियां उड़ाकर नकल कराने की आड़ में धन वसूली करने वाले केंद्र व्यवस्थापको कक्ष निरीक्षकों और प्रबंधकों की आदत इतनी जल्दी सुधर जाएगी इसकी उम्मीद लोगों को नही है

बोर्ड परीक्षा में दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहा युवक गिरफ्तार

कौशाम्बी में यूपी बोर्ड परीक्षा के पहले दिन और प्रथम पाली में ही पकड़ा गया मुन्ना भाई,पुलिस जांच में जुटी

कौशाम्बी यूपी बोर्ड परीक्षा के पहले दिन प्रथम पाली में हाई स्कूल की परीक्षा में दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहे एक ह्यमुन्ना भाईह्न को परीक्षा देते हुए पकड़ा गया। सचल दल ने चेकिंग के दौरान उसे रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।सैनी कोतवाली क्षेत्र के छत्रपाल मौर्य इंटरमीडिएट कॉलेज,मीरापुर कड़ा में यूपी बोर्ड की परीक्षा के पहले दिन और प्रथम पाली में दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहा एक मुन्ना भाई पकड़ा गया है,पकड़े गए आरोपी की पहचान अमित कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी अलीपुर जीता के रूप में हुई है। वह रामदास राम अधीन शर्मा इंटर कॉलेज, दौलतपुर कछार के छात्र अली अब्बास पुत्र मोहम्मद हसन की जगह परीक्षा दे रहा था। सचल दल ने प्रवेश पत्र की जांच के दौरान अमित कुमार को मौके पर ही पकड़ लिया। सूचना मिलने पर सैनी कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे और आरोपी को हिरासत में लेकर सैनी कोतवाली ले गए।एएसपी राजेश कुमार सिंह ने इस मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि छत्रपाल मौर्य इंटरमीडिएट कॉलेज में दूसरे के स्थान पर हाई स्कूल की परीक्षा देते हुए एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। उन्होने कहा कि इस मामले में विधिक कार्यवाही की जा रही है और इसमें शामिल अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है।

80 केंद्रों पर 45687 परीक्षाथी देंगे बोर्ड परीक्षा

सीसीटीवी कैमरा और मजिस्ट्रेट के निगरानी में होगी परीक्षा

कौशाम्बी। यूपी बोर्ड परीक्षा बुधवार से शुरू हो गई है। जिले के 80 परीक्षा केंद्रों पर कुल 45,687 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि हाईस्कूल में 24,187 और इंटरमीडिएट में 21,500 परीक्षाथी पंजीकृत हैं।परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी ने लगभग 2,850 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई है। इनमें 1,800 बेसिक शिक्षा और शेष माध्यमिक शिक्षा विभाग के अध्यापक हैं। इसके अतिरिक्त,छह सचल दल, 15 सेक्टर मजिस्ट्रेट और तीन जोनल मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं।जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि वे स्वयं परीक्षा केंद्रों का भ्रमण करेंगे और किसी भी कीमत पर नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी केंद्र से गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर सख्त कारवाई की जाएगी।परीक्षा की निगरानी के लिए जिला मुख्यालय में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। डीआईओएस ने बताया कि इसमें आठ कंप्यूटर लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से सभी 80 परीक्षा केंद्रों की कक्षाओं की निगरानी की जाएगी। प्रत्येक कंप्यूटर पर 10 केंद्रों की निगरानी का जिम्मा है।सभी केंद्रों पर स्ट्रांग रूम भी बनाए गए हैं,जिनकी निगरानी मुख्यालय में बैठे अधिकारियों द्वारा 24 घंटे की जाएगी।

बोर्ड परीक्षा के पहले दिन 2952 परीक्षाथी नहीं पहुंचे परीक्षा केंद्र

कौशांबी। उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा के प्रथम दिन 18 फरवरी को कौशांबी जिले के विभिन्न परीक्षा केदो में 2952 परीक्षाथी बोर्ड परीक्षा केंद्र नहीं पहुंचे हैं जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि प्रथम पाली में हाईस्कूल के हिन्दी विषय की परीक्षा जनपद में सम्पन्न हुई,जिसमें 24191 पंजीकृत परीक्षाथियों के सापेक्ष 22555 परीक्षाथी उपस्थित रहे एवं 1636 परीक्षाथी अनुपस्थित रहे। बोर्ड परीक्षा के प्रथम दिन द्वितीय पाली में इण्टरमीडिएट के हिन्दी विषय की परीक्षा कौशांबी जनपद में सम्पन्न हुई, जिसमें 20648 पंजीकृत परीक्षाथियों के सापेक्ष 19332 परीक्षाथी उपस्थित रहे एवं 1316 परीक्षाथी अनुपस्थित रहे।प्रथम पाली में सचल दल एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट द्वारा विद्यालय एस.सी.पी.एम० इण्टर कालेज दारानगर में सघन तलाशी के दौरान एक छद्?म परीक्षाथी पकडा गया जिसके विरुद्ध उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों का निवारण अध्यादेश-2024 की सुसंगत धाराओ में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है।

ओवरलोड ट्रक की टक्कर से कार पलटी, बड़ा हादसा टला

कौशाम्बी करारी थाना क्षेत्र के म्योहर गांव के पास बुधवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। ओवरलोड बालू लदे तेज रफ्तार ट्रक ने सामने जा रही चार पहिया कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा पलटी।कार में सवार डॉ. अलीम एक बच्चे को लेकर प्रयागराज जा रही थी। अचानक हुए हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए कार में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। राहत की बात यह रही कि किसी को भी गंभीर चोट नही आई। सूचना मिलते ही करारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कारवाई शुरू कर दी। पुलिस ने ट्रक और उसके चालक के संबंध में जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। हादसे के चलते कुछ समय तक मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा।

भ्रामक सूचना फैलाकर साम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न करने का प्रयास करने वाले अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

कौशांबी करारी थाना क्षेत्रान्तर्गत डायल 112 के माध्यम से 18 फरवरी को ग्राम पण्डीरी में गौकशी व गौमांश संबंधी सूचना दी गई। सूचना पर तत्काल थाना करारी पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर पूछताछ एवं स्थलीय निरीक्षण किया गया, जिसमें सूचना पूर्णतः असत्य पाई गई जांच के दौरान स्थानीय लोगों से पूछताछ में ज्ञात हुआ कि कॉलर फातिमा पत्नी राजू निवासी ग्राम पण्डीरी द्वारा रामबाबू पुत्र हुल्लर सिंह निवासी ग्राम पण्डीरी, थाना करारी के कहने पर बार-बार 112 पर भ्रामक एवं अकारण गौकशी संबंधी सूचना दी जाती थी, जिससे गांव क्षेत्र में साम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न होने की प्रबल संभावना थी।शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु अभियुक्त रामबाबू उपरोक्त को मौके पर ही अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में पुलिस हिरासत में लिया गया तथा नियमानुसार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर 14 दिवस की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

न्यूज झरोखा

स्वास्थ्य विभाग द्वारा टी.बी.कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प एवं मेडिकल का लगाया गया कैम्प

कौशांबी स्वास्थ्य विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में टी.बी./कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प एवं मेडिकल कैम्प लगाया गया।मेडिकल कैम्प में कलेक्ट्रेट के अधिकारियों कमर्चारियों के साथ ही फरियादियों आमजन का ब्लड प्रेशर,डायबिटीज एवं हीमोग्लोबिन आदि का चेक-अप किया गया एवं दवा का वितरण भी किया गया। कुल 110 लोगों का स्वास्थ्य चेकअप किया गया। प्रधानाचार्य, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय डॉ. हरिओम सिंह ने हृदयसेतु पर जन-जागरूकता के दृष्टिगत उपस्थित लोगों को बताया कि हार्ट अटैक के मरीजों को त्वरित और निःशुल्क उपचार प्रदान करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानाचार्य के बताया कि यदि किसी को हार्ट अटैक के प्रारम्भिक लक्षण जैसेः- छाती के बीच में तेज दर्द, भारीपन या जकड़न, सांस फूलना, ठंडा पसीना आना, चक्कर आना, और दर्द का बांहों, गर्दन या जबड़े तक फैलना आते है तो जीवन रक्षक औषधि समय पर लेने से मरीज की जान बचाई जा सकती है, साथ ही प्रधानाचार्य द्वारा यह भी बताया गया कि ऐसे व्यक्ति यदि अस्पताल मे ससमय उपचार हेतु लाये जाते है तो इनका ई.सी.जी. तत्काल करते हुए हब सेन्टर मोती लाल नेहरू प्रयागराज को भेजकर अतिरिक्त चिकित्सीय परामर्श प्राप्त करने के उपरान्त जीवन रक्षक इन्जेक्शन लगाते हुए हब सेन्टर मोती लाल नेहरू प्रयागराज के काडियोलॉजिस्ट विभाग मे भेज दिया जाता है इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी अपर जिलाधिकारी ओम प्रकाश, डॉ. संजय कुमार व प्रभारी चिकित्साधिकारी मंझनपुर नीरज कुमार सहित अन्य उपस्थित रहें।

फरियादियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु एसपी ने किया ऑनलाइन संवाद

कौशाम्बी जिले में फरियादियों की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी एवं पारदर्शी निस्तारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा एक अभिनव एवं सराहनीय पहल की जा रही है इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों पर उपस्थित फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं के संबंध में पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्षों से ऑनलाइन माध्यम से संवाद स्थापित किया गया है।इस ऑनलाइन संवाद के दौरान फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना गया है तथा प्रत्येक प्रकरण का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध,निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण नियमानुसार एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत हो, ताकि फरियादियों को अनावश्यक रूप से बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा उन्हें समय पर न्याय मिल सके यह पहल जनपद में पुलिस-जन संवाद को सुदृढ़ करने एवं जनता के विश्वास को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा की गई जनसुनवाई

कौशांबी पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा पुलिस कार्यालय में दिनांक 18.02.2026 को आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई।इस दौरान उपस्थित फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायती प्रार्थना पत्रों को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा संबंधित प्रभारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।पुलिस अधीक्षक द्वारा यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए ताकि आमजन को शीघ्र राहत मिल सके तथा पुलिस पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत एवं सुदृढ़ हो।

पुलिस का सराहनीय कार्यः विकलांग परीक्षाथी को सुरक्षित परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी। यूपी बोर्ड परीक्षा के दौरान मानवता की मिसाल पेश करते हुए पुलिसकर्मियों ने एक विकलांग परीक्षाथी को गोद में लेकर परीक्षा केंद्र के अंदर तक पहुंचाया है शारीरिक परेशानी के चलते परीक्षाथी के लिए केंद्र तक पहुंचना कठिन हो रहा था, जिस पर शहजातपुर रणजीत पंडित इंटर कालेज के गेट पर डियूटी में तैनात कांस्टेबल रामसिंह और रवि कुमार ने विकलांग को परीक्षा केंद्र तक अपने बाहों में लेकर सुरक्षित पहुचाये पुलिस के इस संवेदनशील और सराहनीय कार्य से परिजनों व स्थानीय लोगों ने आभार व्यक्त किया। परीक्षा केंद्र पर मौजूद शिक्षकों ने भी पुलिस की मानवीय पहल की प्रशंसा की।ऐसे मानवीय कार्यों से पुलिस के प्रति समाज में विश्वास और सम्मान और अधिक मजबूत होता है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने कृषकों को प्याज बीज गेंदा बीज शाकभाजी बीज एवं ड्रैगन फ्रूट पौध का किया वितरण

कौशांबी जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजनान्तर्गत उद्यान भवन परिसर में 20 कृषकों को प्याज बीज, 17 कृषकों को गेंदा बीज, 42 कृषकों को शाकभाजी बीज एवं 7 कृषकों को ड्रैगन फ्रूट पौध का वितरण किया गया।मुख्य विकास अधिकारी ने कृषकों से अपील की है कि सरकार द्वारा दिए जा रहे उच्च गुणवत्ता युक्त शंकर बीजों एवं पौधों को समय से अपने-अपने प्रक्षेत्रों पर बुवाई करते हुए अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र एवं उद्यान निरीक्षक प्रमोद कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बिना प्रपत्र ओवरलोड़ 06 डम्फर वाहन को महेवा घाट थाना पुलिस ने किया सीज

कौशांबी पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन व ओवर लोड गाडियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना महेवाघाट पुलिस टीम द्वारा थाना गेट पर अवैध खनन परिवहन व ओवरलोड गाडियों की चेकिंग की गयी, इस दौराने चेकिंग वाहन सं. वढ50एळ2195 ट्रेलर वाहन मोरम लदी हुई 2.वढ50एळ0374 ट्रेलर वाहन मोरम लदी हुई 3.वढ70फळ8743 डम्फर वाहन 4.वढ70दळ5520 डम्फर वाहन मोरम लदी हुई 5.वढ70दळ8798 ट्रेलर वाहन मोरम लदी हुई 6. वढ70दळ5743 डम्फर वाहन मोरम लदी हुई ओवरलोड वाहन खतरनाक तरीके से तेज गति से चलाते हुए पाया गया। उपरोक्त तीनों डम्फर बिना प्रपत्र के परिवहन करते हुए पाये गये, जिनको मौके पर ही अन्तर्गत धारा 207 ट.श. अू3 मे सीज किया गया अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु एआरटीओ व खनन को अलग से रिपोर्ट प्रेषित की गयी है।

मूरतगंज ब्लॉक की स्वास्थ्य टीम द्वारा बड़े गांव में किया गया विशेष कैंप का आयोजन

हररायपुर कौशांबी मूरतगंज ब्लॉक की स्वास्थ्य टीम द्वारा बड़े गांव में दिनांक 18/02/2026 को विशेष कैंप का आयोजन किया गया जिसमें गांव क्षेत्र की तमाम महिलाएं और पुरुष उपस्थित हुए और स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की अभियान के दौरान गांव में कैंप लगाकर पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए टीम द्वारा घर-घर जाकर पात्र परिवारों का सत्यापन एवं पंजीकरण किया गया।ग्रामीणों को आयुष्मान भारत योजना के तहत मिलने वाले 5 लाख रुपए तक के निःशुल्क उपचार लाभ की जानकारी दी गई योजना से संबंधित अस्पतालों एवं उपचार प्रक्रिया की जानकारी साझा की गई।गर्भवती महिलाओं हेतु विशेष परामर्श दिए गए गर्भवती महिलाओं से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की गई। उन्हें नियमित जांच टीकाकरण एवं पोषण के महत्व के बारे में बताया गया।सरकारी अस्पताल में प्रसव कराने के लाभ समझाए गए निःशुल्क प्रसव सुविधा जननी सुरक्षा योजना अन्य सरकारी लाभ की जानकारी दी गई सुरक्षित प्रसव एवं विशेषज्ञ देखभाल नवजात शिशु की निःशुल्क देखभाल की जानकारी दी गई कार्यक्रम में गांव के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं आयुष्मान योजना एवं सुरक्षित मातृत्व के प्रति सकारात्मक रुचि दिखाई।

थाना संदीपनघाट पुलिस ने दो शातिर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

फजी मुकदमे की आड़ में रंगदारी का पर्दाफाश, कौशाम्बी पुलिस की बड़ी कारवाई

कौशाम्बी। जनपद में फजी मुकदमे लिखवाकर रंगदारी वसूलने के एक संगठित षड्यंत्र का थाना संदीपनघाट पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने त्वरित व सटीक कारवाई करते हुए इस गंभीर अपराध में शामिल दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है।मामला उस समय सामने आया जब कोखराज थाना क्षेत्र निवासी कफील अहमद उर्फ रानू ने संदीपनघाट थाने में शिकायत दर्ज कराई कि जमीन खरीद को लेकर रंजिश रखने वाले कुछ लोग उसके विरुद्ध गैंगरेप का फजी मुकदमा लिखवाकर जेल भिजवाने की धमकी दे रहे हैं। आरोपियों ने पहले 65 हजार रुपये की रंगदारी वसूली और फिर 10 लाख रुपये की मांग करने लगे। पुलिस जांच में सामने आया कि विवाद की जड़ एक बीघा जमीन का सौदा था, जिसे आरोपी भी खरीदना चाहते थे। जमीन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा खरीद लिए जाने के बाद आरोपियों को शक हुआ कि कफील अहमद ने ही यह सौदा किसी और से करा दिया है। इसी रंजिश में उसे फजी मुकदमे में फंसाने की साजिश रची गई।जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि आरोपियों ने एक युवती और उसके पिता को भ्रमित कर झूठा प्राथर्नापत्र लिखवाया। युवती और उसके पिता दोनों ने पुलिस को साफ बताया कि न तो कोई रेप की घटना हुई और न ही वे कफील अहमद को जानते हैं। युवती ने स्पष्ट कहा कि आरोपियों ने बदले की भावना से पूरी कहानी गढ़ी। इतना ही नहीं,आरोपियों द्वारा फजी मुकदमे का दबाव बनाने के लिए सोशल मीडिया पर वायरल कराने और विभिन्न थानों में झूठे केस दर्ज कराने का भी प्रयास किया गया। पुलिस रिकॉर्ड खंगालने पर यह भी सामने आया कि अभियुक्तों के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।पुख्ता साक्ष्यों के आधार पर थाना संदीपनघाट पुलिस ने अमरीश दिवाकर और जैगम हलीम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में की गई इस कारवाई को कानून व्यवस्था की दिशा में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।कौशाम्बी पुलिस की इस कारवाई से यह स्पष्ट संदेश गया है कि फजी मुकदमों और रंगदारी जैसे अपराधों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 115 जोड़े वैवाहिक बंधन में बधें

अखंड भारत संदेश

कौशांबी जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने नवीन मण्डी समिति, ओसा में आयोजित भव्य मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 115 जोड़े वैवाहिक बंधन में बधें। समारोह में वैदिक मन्त्रोच्चार एवं पारम्परिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न कराया गया। जिलाधिकारी,भाजपा जिलाध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी,पूर्व विधायक लाल बहादुर, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंझनपुर वीरेन्द्र फौजी, सदस्य उ.प्र. अनुसूचित जाति जनजाति आयोग जितेन्द्र कुमार एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख जितेन्द्र सोनकर ने नवदम्पतियों को आशीवाद देते हुए ईश्वर से सुखमय, समृद्ध एवं सफल वैवाहिक जीवन की मंगल कॉमना की।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत प्रति जोड़ा एक लाख रूपए का प्राविधान किया गया है। जिसमें 60 हजार कन्या के खाते में हस्तान्तरित किया जाता है, 25 हजार रूपए से घरेलू सामान दिया जाता है एवं 15 हजार रूपए आयोजन पर व्यय किया जाता है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अत्यन्त लाभकारी है।

02 गुमशुदा लड़कियों को 12 घंटे के अंदर सकुशल किया बरामद

कौशांबी करारी थाना क्षेत्र में दिनांक 17.02.2026 को एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी भतीजी जिसकी उम्र लगभग 19 वर्ष जो मानसिक रूप से विक्षिप्त है वह अपनी छोटी बहन जिसकी उम्र लगभग 04 वर्ष है को साथ लेकर बजार कुछ सामान खरीदने के लिए गयी जो वापस नहीं आयी है। इस सूचना पर थाना पर मु0अ0सं0 36/2026 धारा 137(2) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत करते हुए पुलिस ने तत्काल सूचनाकर्ता के घर पहुंचकर सम्पूर्ण जानकारी कर उच्चाधिकारी को अवगत कराया घटना की गम्भीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे तत्काल टीम गठित कर बालिका की बरामदगी हेतु निर्देशित किया गया। मिशन शक्ति फेज-5 के माध्यम से चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे वरिष्ठ अधिकारीगणों के निर्देशन में गठित टीम मय सूचनाकर्ता के लापता लड़कियों की सकुशल बरामदगी हेतु रवाना हुए। तलाश व बरामदगी के क्रम में थाना स्तर पर गठित टीम द्वारा अपहृता पीड़िता की करारी गेस्ट हाउस के पास से सकुशल बरामदगी की गयी पूछताछ करने पर पीडिता द्वारा बताया गया कि वह सिलाई के लिए धागा लेने बाजार गई थी वहां पर धागा नहीं मिला तो दूसरी दुकान की तलाश में दूर चली गयी एवं रास्ता भटक गयी गुमशुदा मानसिक रूप से विक्षिप्त भी है। दोनों लड़कियो को सकुशल बरामद कर कार्यवाही की जा रही है।

गोवध से सम्बन्धित 25,000 रु0 का इनामिया वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

इनामिया वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम के उत्साहवर्द्धन हेतु 25000/- रुपये का एसपी ने प्रदान किया पुरस्कार

कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र में 4 जनवरी की रात्रि में ससुर खदेरी नदी व इचौली गाँव के मध्य झाड़ियों में बिजली के खम्भों से बंधे हुए 12 बैल जिंदा बरामद हुए थे, जिसके सम्बन्ध में थाना कोखराज में अभियोग दर्ज हुआ। उक्त गो वंशो को परिवहन कर वध हेतु कही बाहर ले जाने के लिए बांधा गया था, किंतु कुछ लोगों द्वारा सूचना देने पर पुलिस के पहुंच जाने से अपराधी तस्करी को अंजाम देने में सफल नहीं हो पाए थे । घटना की गम्भीरता के दृष्टिगत सफल अनावरण कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कोखराज पुलिस,एसओजी एवं सर्विलांस की टीम को लगाया गया था गहन छानबीन से उक्त घटना में 7 गौतस्करों के नाम प्रकाश में आए थें। दिनांक 12.01.2026 को थाना कोखराज पुलिस व एसओजी टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुये टेगाई नियामतपुर मार्ग पर पतेरिया बाग के पास संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी । इसी दौरान घटना से सम्बन्धित 03 अभियुक्तों को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया था फरार चल रहे अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा 25,000 रुपये का पुरष्कार घोषित किया गया था। उपरोक्त क्रम में गठित टीमों द्वारा अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु सम्भावित स्थानों पर दबिश देकर तलाश की जा रही थी इसी दौरान थाना कोखराज पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 25,000 रुपये का इनामियां वांछित अभियुक्त जयकरन उर्फ विकल पुत्र राम प्रवेश निवासी बिछौरा थाना मंझनपुर को गिरफ्तार किया गया । विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया हैं। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा इनामिया वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम को उत्साहवर्द्धन हेतु 25000/- रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया हैं।

सम्पादकीय

बांग्लादेश में राजनैतिक बदलाव

भारत से पड़ोसी देश बांग्लादेश में एक बड़ा राजनैतिक बदलाव आया है। देश आखिरकार एक स्थिर सरकार हासिल करने की तरफ बढ़ा है। 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरा दी गई थी, और उन्हें भारत में राजनैतिक शरण लेकर अपनी प्राणरक्षा करनी पड़ी। इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार चली और इस दौरान न केवल अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए अविचारित हिंसा की गई, बल्कि भारत के खिलाफ तल्खी बढ़ाने वाले कई बयान अहम पदों पर बैठे नेताओं ने दिए। बांग्लादेश ने उस पाकिस्तान के साथ नजदीकी बढ़ाई है, जिसके अत्याचारों के कारण उसे इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान से अलग करवाया था। बहरहाल, युनूस सरकार पर लगातार चुनाव करवाने का दबाव बना, आखिरकार 12 फरवरी 2026 को बांग्लादेश में आम चुनाव हुए थे। इस चुनाव में अवामी लीग को हिस्सा लेने नहीं दिया गया। शेख हसीना ने इन चुनावों को रद्द करने की मांग की है, लेकिन अब यह तय है कि तारिक रहमान देश की कमान संभालने जा रहे हैं। पिछले 35 सालों में शेख हसीना और खालिदा जिया ही बांग्लादेश का नेतृत्व करती रहीं, लेकिन अब बेगमों का राज बांग्लादेश में इतिहास बन गया है और दिवंगत खालिदा जिया के बेटे देश संभालने जा रहे हैं। 17 फरवरी को तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे और इसमें उन्होंने सार्क देशों के नेताओं को आमंत्रित किया है। जिसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसमें शामिल होंगे, क्योंकि जाहिर है सार्क में पाकिस्तान भी है और शाहबाज शरीफ संभवतः बांग्लादेश पहुंचेंगे ही। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को तारिक रहमान से फोन पर बात की और सोशल मीडिया पर बधाई भी दी। तारिक रहमान ने भी भारत के साथ अच्छे संबंध बनाने की इच्छा जताई है। लेकिन क्या मात्र इच्छा जताने से दोनों देशों के बीच उलझे हुए तार सुलझेंगे, ये देखना होगा। तारिक रहमान ने अमेरिका फर्स्ट के नारे की तरह 'बांग्लादेश फर्स्ट' का नारा दिया है। जो राष्ट्रवाद के नए फैशन की तरह बन चुका है। बेशक हर राजनेता, हर राष्ट्रप्रमुख अपने ही देश को सर्वोपरि रखता है, लेकिन उसे फलाना फर्स्ट या ढिकाना फर्स्ट के नारे के तहत व्याख्यायित करना जुबानी प्रचार से ज्यादा कुछ नहीं है। तारिक रहमान ने कहा है कि भारत, चीन और पाकिस्तान से बराबर दूरी रखना चाहते हैं। उन्होंने पहले कहा था, 'न दिल्ली, न पिंडी, बांग्लादेश सबसे पहले।' अब जीत के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में तारिक रहमान ने कहा कि उनकी सरकार की विदेश नीति बांग्लादेश और उसके लोगों के हितों पर आधारित होगी। कोई देश-केंद्रित नीति नहीं होगी। उन्होंने कहा, 'चीन विकास के मामले में दोस्त है, लेकिन अगर कुछ बांग्लादेश के हित में नहीं होगा तो हम उसे नहीं मानेंगे। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को देखेंगे कि क्या यह हमारी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है।' वहीं शेख हसीना के प्रत्यर्पण के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह कानूनी प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। अवामी लीग समर्थकों पर केस और परेशानी के बारे में कहा कि कानून का राज चलेगा। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से एकता की अपील की और कहा कि राष्ट्र निर्माण में सबकी जरूरत है।

बंगाल का भविष्यः धर्म की लहर या प्रगति की राह?

-: ललित गर्ग:-

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी बाकी हो, पर राजनीतिक रणभेरी बज चुकी है। इस बार संकेत साफ हैं-चुनाव विकास बनाम विकास के दावे पर नहीं, बल्कि पहचान, अस्मिता और धर्म की ध्वजा के इर्द-गिर्द घूम सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य भर में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलनों को भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक उत्सव भर नहीं, बल्कि चुनावी अवसर में बदलने की रणनीति पर आगे बढ़ती दिख रही है। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने भी यह समझ लिया है कि यदि चुनाव की जमीन धार्मिक विमर्श पर खिसकती है तो उसे खाली नहीं छोड़ा जा सकता। कोलकाता के न्यू टाउन में ह्यदुर्गा आंगनह्ल का शिलान्यास और उसे बंगाली अस्मिता से जोड़ने का प्रयास इसी रणनीतिक सजगता का हिस्सा है। बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग-संघर्ष, वाम वैचारिकी और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी-तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो ध्रूवों के बीच सिमट चुका है। यही द्विध्रूवीयता चुनाव को अधिक तीखा और अधिक पहचान-केन्द्रित बना रही है। भाजपा का अभियान चार प्रमुख सूत्रों पर टिका है-बंगाल में हिंदू खतरे में है, बांग्लादेशी घुसपैठ, महिलाओं की असुरक्षा और भ्रष्टाचार। सीमावर्ती जिलों का उदाहरण देकर यह संदेश गढ़ा जा रहा है कि जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है। अवैध घुसपैठ का प्रश्न नया नहीं है, पर उसे इस समय राजनीतिक ऊर्जा के साथ जोड़ा जा रहा है। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना, शिक्षक भर्ती घोटाले, हिन्दुओं पर बढ़ते अत्याचार एवं भ्रष्टाचार जैसे प्रसंगों को शासन की विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा का लक्ष्य स्पष्ट है-70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं में एक साझा असुरक्षा-बोध निर्मित करना, हिन्दुओं को जागृत करना और उसे मतदान व्यवहार में रूपांतरित करना। आज बंगाल में विकास की सबसे बड़ी बाधा घुसपैठियों का बढ़ना है। घुसपैठियों पर विराम लगाना चाहिए न कि इस मुद्दे पर राजनीति हो। ममता बनर्जी की चुनौती दोहरी है। एक ओर उन्हें यह संदेश देना है कि वे अल्पसंख्यकों की संरक्षक हैं, दूसरी ओर हिंदू मतदाताओं को यह विश्वास भी दिलाना है कि उनकी आस्था और अस्मिता सुरक्षित है। 2021 के चुनाव में जब भाजपा ने ह्यजय श्रीरामह्ल के नारे को आक्रामक रूप से उछाला, तब ममता ने ह्यजय मां दुर्गाह्ल और ह्यचंडी पाठह्ल के माध्यम से एक सांस्कृतिक प्रत्युत्तर दिया था। इस बार वे दुर्गा आंगन जैसे प्रतीकों के जरिए यह संकेत दे रही हैं कि बंगाली हिंदू पहचान भाजपा की बपौती नहीं है। वे धर्म को राष्ट्रवाद की बजाय क्षेत्रीय अस्मिता के साथ जोड़ती हैं-ह्लबंगाल अपनी संस्कृति से हिंदू है, पर उसकी राजनीति बहुलतावादी हैह्ल-यह उनका अंतर्निहित संदेश है। इसी बीच मुर्शिदाबाद में पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर द्वारा ह्यबाबरी मस्जिदह्ल के शिलान्यास की पहल ने नई जटिलता जोड़ दी है। इससे मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक अलग ध्रूवीकरण की संभावना पैदा हुई है। यदि मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता है, तो तृणमूल का गणित प्रभावित हो सकती है। 2021 में उसे लगभग 48 प्रतिशत वोट और 223 सीटें मिली थीं-जिसमें मुस्लिम मतों का एकमुश्त समर्थन निर्णायक था। भाजपा 38 प्रतिशत वोट के साथ 65 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष

बनी। ऐसे में यदि मुस्लिम मत 5-10 प्रतिशत भी इधर-उधर खिसकते हैं, तो कई सीटों का परिणाम बदल सकता है और भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आ सकती है।

यहां प्रश्न केवल गणित का नहीं, राजनीति के चरित्र का भी है। क्या बंगाल का चुनाव धार्मिक पहचान के उभार का प्रयोगशाला बनेगा? या यह प्रयोग अंततः विकास, रोजगार और बुनियादी ढांचे के प्रश्नों पर लौटेगा? विडंबना यह है कि जिस बंगाल को कभी देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता था-जहां से उद्योग, शिक्षा और सांस्कृतिक नवजागरण की रोशनी फैलती थी, वह आज अधूरे प्रोजेक्ट्स, धीमी औद्योगिक गति और रोजगार के पलायन से जूझ रहा है। कोलकाता की सड़कों पर अधूरी मेट्रो लाइनें और बंद कारखानों की चुप्पी विकास की उस कहानी को बयान करती हैं, जो राजनीतिक नारों के शोर में दब जाती है। 2011 में टाटा के नैनो प्रोजेक्ट का राज्य से बाहर जाना एक प्रतीकात्मक मोड़ था। भूमि अधिग्रहण के प्रश्न पर जनसमर्थन पाने वाली राजनीति ने उद्योग के प्रति संशय का वातावरण भी बनाया। पंद्रह वर्षों बाद भी बंगाल बड़े निवेश की प्रतीक्षा में है। युवा रोजगार के लिए बाहर जा रहे हैं, और कई राज्यों में उन्हें ह्यबांग्लादेशीह्ल कहकर अपमानित किए जाने की खबरें आती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, आत्मसम्मान का प्रश्न भी है। किंतु चुनावी विमर्श में यह पीड़ा गौण हो जाती है, और केंद्र में आ जाता है-धर्म, पहचान और भय।

ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाती हैं; भाजपा राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का। सी.बी.आई. और ई.डी. की कार्रवाइयों को ममता राजनीतिक प्रतिशोध बताती हैं, जबकि भाजपा उन्हें कानून का पालन। इस टकराव ने प्रशासनिक संवाद को भी राजनीतिक संघर्ष में बदल दिया है। परिणाम यह है कि विकास का एजेंडा आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ जाता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या धर्म-आधारित ध्रूवीकरण स्थायी राजनीतिक समाधान दे सकता है? इतिहास बताता है कि धार्मिक उभार अल्पकालिक ऊर्जा तो देता है, पर दीर्घकालिक शासन-क्षमता की कसौटी पर उसे विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रश्नों से जूझना ही पड़ता है। यदि चुनाव केवल ह्लकौन किसका प्रतिनिधि हैह्ल तक सीमित रह गया, तो ह्लकौन क्या करेगाह्ल का प्रश्न अनुत्तरित रह जाएगा। बंगाल की आत्मा बहुलतावाद में रही है-रामकृष्ण परमहंस से लेकर रवींद्रनाथ तक, यह भूमि विविध आस्थाओं और विचारों का संगम रही है। यहां दुर्गा पूजा और मुहर्रम दोनों सामाजिक उत्सव का रूप लेते रहे हैं। यदि राजनीति इस सामाजिक ताने-बाने को चुनावी अंकगणित में बदल देगी, तो समाज की संवेदनशीलता पर चोट पहुंचेगी। दूसरी ओर, यदि धार्मिक प्रतीकों का उपयोग सांस्कृतिक आत्मगौरव के साथ विकास-प्रतिबद्धता को जोड़ने में किया जाए, तो वह सकारात्मक भी हो सकता है। इस चुनाव में भाजपा की रणनीति हिंदू मतों का अधिकतम ध्रूवीकरण है; ममता की रणनीति हिंदू पहचान को बंगाली अस्मिता के साथ समाहित कर अल्पसंख्यकों के विश्वास को बनाए रखना है। मुस्लिम दलों की सक्रियता तृणमूल के लिए चुनौती है, पर वह भाजपा के लिए अवसर भी है। यह त्रिकोणीय-संभावना चुनाव को जटिल बनाती है। परंतु अंततः लोकतंत्र की परिपक्वता मतदाता तय करता है। यदि बंगाल का मतदाता विकास, रोजगार और सुशासन को प्राथमिकता देता है, तो राजनीतिक दलों को अपना विमर्श बदलना होगा। यदि वह पहचान की राजनीति को स्वीकार करता है, तो वही भविष्य की दिशा बनेगी। प्रश्न केवल यह नहीं कि कौन जीतेगा; प्रश्न यह है कि जीत का एजेंडा क्या होगा?

क्या धर्म के आधार पर लड़ा गया चुनाव सार्थक मूल्य स्थापित कर पाएगा? या यह राज्य को और अधिक वैचारिक खाइयों में धकेल देगा? बंगाल की धरती ने अनेक बार भारत को नई वैचारिक दिशा दी है। आज फिर अवसर है-या तो वह धर्म बनाम धर्म की बहस में उलझे, या धर्म को नैतिकता और विकास की प्रेरणा बनाकर नई राजनीति की राह खोले। चुनाव परिणाम चाहे जो हो, असली कसौटी यही होगी कि क्या बंगाल अपनी आर्थिक ऊर्जा, सांस्कृतिक उदारता और सामाजिक समरसता को पुनः प्राप्त कर पाता है। यदि नहीं, तो धर्म की ध्वजा चाहे जितनी ऊंची फहराई जाए, विकास का शून्य अंततः सबको दिखाई देगा।

बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत एक अच्छा संकेत

नित्य चक्रवर्ती

बीएनपी अपने नरम रवैये और एक स्थिर सरकार देने पर जोर देने के आधार पर लोगों का समर्थन पाने में कामयाब रही है। लोग लगातार उथल-पुथल से तंग आ चुके थे, जिससे उनकी रोजी-रोटी पर असर पड़ रहा था। वे एक समझदार नेता की तलाश में थे जो सच में प्रशासन की परवाह करे। बीएनपी के मौजूदा प्रमुख और मरहूम पूर्व प्रधानमंत्री खालिदिया के बेटे तारिक रहमान ने अब तक समझदारी दिखाई है।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए राष्ट्रीय चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की बड़ी जीत न सिर्फ दक्षिण एशिया की भूराजनीति में एक अच्छी बात है, बल्कि यह भारत और उसके पूर्वी पड़ोसी देश के बीच आपसी रिश्तों के लिए भी अच्छा संकेत है। बीएनपी ने नई संसद में कुल 300 सीटों में से दो-तिहाई से ज्यादा सीटें हासिल कीं, जिसमें उसने अपने कट्टर रवैये के लिए जानी जाने वाली मुख्य विरोधी जमात-ए-इस्लामी को हराया, जो बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ-साथ भारत में नरेंद्र मोदी की सरकार के लिए भी एक बड़ी राहत है। ताजा खबरें बताती हैं कि जिन 299 सीटों पर चुनाव हुए, उनमें से बीएनपी को 210, जमात के नेतृत्व वाले गठबंधन को 76 और दूसरों को सात सीटें मिलीं। बीएनपी के लिए, यह अब तक हुए आम चुनावों में सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा है। इससे पहले, 2001 के चुनावों में, बीएनपी ने 193 सीटें पाकर

सरकार बनाई थी, जो 2026 के चुनावों तक उसकी सबसे ज्यादा सीटें थीं, जिसने इस चुनाव में जीत का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। साथ ही, जमात ने चुनावों में 76 सीटें पाकर खुद को राष्ट्रीय राजनीति के मुख्य मंच पर पहुंचा दिया है। इसका पिछला सबसे अच्छा प्रदर्शन 1991 के चुनावों में सिर्फ 18 सीटें थीं।

12 फरवरी के चुनावों से कई बड़े सबक मिले हैं, जिन्हें कई लोगों ने 2024 की जुलाई क्रांति के बाद से 'ऐतिहासिक' कहा है, जिसके कारण 5 अगस्त, 2024 को शेख हसीना सरकार चली गई थी। यह मुख्य रूप से छात्रों द्वारा तैयार किया गया था। छात्रों के समूह ने अपनी पार्टी, नेशनल सिटिजन्स पार्टी (एनसीपी) बनाई और जमात-ए-इस्लामी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा। केवल दो बड़े गठबंधन थे। बेशक, यह याद रखना होगा कि 1972 से ज्यादातर सालों तक सत्तारूढ़ पार्टी रही अवामी लीग को 2026 के आम चुनावों में हिस्सा लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। आइए, 12 फरवरी के चुनावों से मिली बड़ी बातों पर नज? डालते हैं। सबसे पहले, चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हुए। मतदान 60प्रतिशत को पार कर गया और लोगों ने ऐसे जोश के साथ वोट किया जैसे वे किसी त्योहार का मजा ले रहे हों। यूरोपीय पर्यवेक्षक खुश थे कि चुनाव बिना किसी भेदभाव के हुए। चुनाव अभियान के दौरान दो विरोधी गुटों के बीच तनाव वाली दुश्मनी होने के बावजूद कुछ ही झगड़े हुए। यह देखते हुए कि मतदाताओं की संख्या 12 करोड़ से ज्यादा थी, कुछ पार्टियों के बीच हुई झड़पें मामूली कही जा सकती हैं। इसलिए, यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के लिए लोकतांत्रिक माहौल में चुनाव कराना एक बड़ी कामयाबी थी।

दूसरा, बीएनपी अपने नरम रवैये और एक स्थिर सरकार देने पर जोर देने के आधार पर लोगों का समर्थन पाने में कामयाब रही है। लोग लगातार उथल-पुथल से तंग आ चुके थे, जिससे उनकी रोजी-रोटी पर असर पड़ रहा था। वे एक समझदार नेता की तलाश में थे जो सच में प्रशासन की परवाह करे। बीएनपी के मौजूदा प्रमुख और मरहूम पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा ड्डिाया के बेटे तारिक रहमान ने अब तक समझदारी दिखाई है। जबरदस्त जीत के बावजूद, उन्होंने अपने समर्थकों से कोई विजय जुलूस न निकालने की अपील की है। जमात समर्थकों के साथ टकराव से बचने के लिए यह एक अच्छा कदम है, जो मतदान में गड़बड़ी की बात कर रहे हैं। तीसरा, जमात आखिरकार बांग्लादेश की राजनीति में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसकी मौजूदा ताकत अब बीएनपी के सरकार बनाने के बाद उन्हें संसद में चुनौती देने के लिए काफी है। उम्मीद है कि जमात अपना जनाधार बनाए रखने के लिए विपक्षी पार्टी के तौर पर ज्यादा भारत-विरोधी रुख अपनाएगी। इसका मतलब है कि बीएनपी नेतृत्व भारत के साथ समझौता करने में बहुत अच्छा रवैया अपनाने में रुकावट महसूस करेगी। भारत सरकार के साथ इसकी बातचीत हमेशा जमात की कड़ी नज? में रहेगी।

मोदी जी सवालों से परे : एपस्टीन फाइलों का डर सामने आया!

शकील अख्तर

राष्ट्रीय सुरक्षा छोटी-मोटी घटनाओं की तरह बना दी। किसी पर कोई असर नहीं। लेकिन परिस्थितियां तेजी से बदलीं। जब आप लापरवाह हो जाते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जवाबदेही से बच जाते हैं। तब कहीं और बड़ी गलतियां करते हैं। और उनमें कुछ ऐसे मामले होते हैं जो अन्तरराष्ट्रीय स्तर के होते हैं। वहां भक्त और गोदी मीडिया नहीं बचा सकते। मोदी जी को सवालों से परे बताने की शुरूआत हो गई है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को नया काम दिया गया है। मोदी जी सर्वोपरि हैं। उनसे सवाल नहीं हो सकते।

अचानक ऐसा क्या हो गया कि प्रधानमंत्री मोदी को सवालों से ऊपर बताया जाए? एपस्टीन फाइल? और क्या हो सकता है? राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे बीजेपी संघ के कोर इशु (सबसे बड़े सवाल) का तो मोदी जी पर कोई असर नहीं पड़ा। यह बहुत खतरनाक बात है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को इतना हल्का बना दिया कि एक के बाद एक कई चूकें, राजनीतिक नेतृत्व की कमजोरियां सामने आ गईं मगर पार्टी, संघ, भक्त, गोदी मीडिया किसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उल्टे सेना पर, सेनाध्यक्ष पर ही दोष डाल दिया गया। याद कीजिए, लद्दाख में जब चीनी सेना ने गलवान में घुसकर 20 भारतीय सैनिकों को शहीद कर दिया था तो गोदी मीडिया ने लद्दाख जाकर वहां

से रिपोर्टिंग की कि चीनियों को रोकने का काम सेना का था सरकार क्या कर लेती? और सेना के पास उन्हें रोकने गोली चलाने के अधिकार ही नहीं थे यह 2020 में कुछ ही समय बाद अगस्त में तब सामने आ गया जब पूर्वी लद्दाख में ही कैलाश रिज पर चीन के चार टैंक भारतीय सीमा में बढ़े आ रहे थे। साथ में चीन के पैदल सैनिक थे। और भारत के थल सेना प्रमुख जनरल मुकुंद नरवणे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से निर्देश मांगते रहे कि बताइए क्या करना है? मगर ढाई-तीन घंटे तक उन्हें कोई जवाब नहीं दिया गया। टैंक केवल आधा किलो मीटर की दूरी पर रह गए। और उसके बाद प्रधानमंत्री का जवाब आया जो उचित समझो वह करो! यहां भी प्रधानमंत्री मोदी को इशु नहीं बनाया गया। उल्टे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा में राजनीतिक नेतृत्व की निर्णय लेने की अक्षमता पर सवाल उठाने पर उनके खिलाफ ही पहले एक एफआईआर दर्ज की गई फिर लोकसभा में उनकी सदस्यता रद्द करने और उन्हें राजनीति से ही बाहर करने, चुनाव लड़ने पर हमेशा के लिए रोक लगाने का प्रस्ताव लाया गया। मुद्दा यह था कि जो उचित समझो वह करो कहना था तो तीन घंटे पहले ही क्यों नहीं कह दिया? हर मामले में प्रधानमंत्री को बचाया गया। श्रेय हर बात का उन्हीं को दिया जाता है। याद रखिए भाजपा सरकार नहीं कहा जाता मोदी सरकार ही कहा जाता है। लेकिन जिम्मेदारी किसी बात की उनकी नहीं है। पहले गलवान में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत के मामले में नरेटिव बनाया गया कि दोष सेना का फिर कैलाश रिज (पहाड़ी) के मामले में उसी सेना को निःसहाय छोड़ दिया गया। जनरल नरवणे ने अपनी किताब में जिसके लिए अब कहा जा रहा है ।

एसपी का बन्धुआकला थाने पर औचक निरीक्षण, माफियाओं पर सख्त कार्रवाई

अखंड भारत संदेश

सुलतानपुर। पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने थाना बन्धुआकला का औचक निरीक्षण कर पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला हेल्प डेस्क,कार्यालय अभिलेख,हवालात,रिसेप्शन रूम,पुलिस मैस व थाना परिसर का बारीकी से जायजा लिया।एसपी ने महिला हेल्प डेस्क पर पहुंचकर पीड़िताओं की शिकायतों के त्वरित निस्तारण और फीडबैक व्यवस्था की समीक्षा की।मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को जागरूक करने

और उनकी शिकायतों पर निष्पक्ष व प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।टॉप 10 अपराधियों व हिस्ट्रीशीटर्स की निगरानी की स्थिति की समीक्षा करते हुए एसपी ने शराब,खनन व भू-माफियाओं के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।अपराध रजिस्टर व त्योहार रजिस्टर का अवलोकन कर आवश्यक सुधार करने को कहा।थाना परिसर में खड़े लावारिस वाहनों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए।

सामूहिक विवाह में 97 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में,ब्लॉक परिसर में गूंजे वैदिक मंत्र

अखंड भारत संदेश

सुल्तानपुर। विकास खंड बल्दीराय परिसर बुधवार को उत्सव स्थल में तब्दील हो गया,जब मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 97 जोड़ों का हिंदू रीति-रिवाज से विवाह संपन्न कराया गया। सुबह से ही ब्लॉक परिसर में साज-सज्जा,मंगल गीत और वैदिक मंत्रोच्चार की गूंज सुनाई देती रही।निर्धारित मुहूर्त पर पंडितों द्वारा विधिविधान से विवाह संस्कार संपन्न कराए गए और वर-वधुओं ने सात फेरे लेकर जीवनभर साथ

निभाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती ऊषा सिंह रहीं।

अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने की। मुख्य अतिथि श्रीमती ऊषा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सामूहिक विवाह योजना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए वरदान साबित हो रही है। इससे सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिल रहा है और बेटियों के विवाह की चिंता से परिवारों को राहत मिलती है।

राम प्रकाश मिश्रा 'दधीचि' ने एसपीसीए को भेंट की इलेक्ट्रिक चारा मशीन

अखंड भारत संदेश

सुल्तानपुर। निराश्रित और बीमार पशुओं की देखभाल में जुटी संस्था एसपीसीए को बड़ी राहत मिली। समाजसेवी राम प्रकाश मिश्रा ह्यदधीचिह्ल ने संस्था को हाई पावर मोटर से संचालित इलेक्ट्रिक चारा मशीन दान स्वरूप भेंट की।एसपीसीए में आश्रय पाए पशुओं के लिए चारा काटने में आ रही दिक्कत को देखते हुए यह पहल की गई। दानकर्ता राम प्रकाश मिश्रा ह्यदधीचिह्ल स्वयं एसपीसीए परिसर पहुंचे और मशीन संस्था को सुपुर्द की।संस्था के संरक्षक प्रशांत द्विवेदी ने बताया कि पिछले कई दिनों से चारा काटने की मशीन की

आवश्यकता महसूस की जा रही थी।इसकी जानकारी जब समाजसेवी दधीचि को दी गई तो उन्होंने तत्काल हाई पावर मोटरयुक्त इलेक्ट्रिक चारा मशीन उपलब्ध करा दी। इससे पशुओं के लिए हरे चारे की व्यवस्था अब और सुगम हो सकेगी।एसपीसीए के पदाधिकारियों व सदस्यों ने दधीचि के इस सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

अंधेरे में दौड़ता अवैध खनन का ओवरलोड सिंडीकेट बिना नंबर ट्रकों पर किसका संरक्षण?

बिना नम्बर प्लेट के भरतकूप हाईवे पर दौडता ट्रक

बिना नम्बर प्लेट के ओवरलोड ट्रक

बिना नम्बर प्लेट के भागता एक और दूसरा ट्रक

- जिले में ओवरलोड माफिया बेलगाम
- नंबर प्लेट गायब, खुली प्रशासनिक पोल
- हाईवे पर खनिज माफिया का राज

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले में रात होते ही सड़कों का मंजर बदल जाता है और एक अलग ही खेल शुरू हो जाता है।। जैसे ही घड़ी दस बजने का इशारा करती है, हाईवे पर तेज रफतार ओवरलोड ट्रकों की कतारें दिखाई देने लगती हैं। मौरंग, गिट्टी और बालू से लदे ये ट्रक न नियम देखते हैं, न कानून। गुरुवार (12 फरवरी) की रात हमारी टीम ने भरतकूप से शिवरामपुर के पास हाईवे पर करीब साढ़े नौ से साढ़े दस बजे तक पड़ताल की। महज एक घंटे में 20 से 25 ओवरलोड ट्रक फरार्टा भरते मिले। मजे की बात यह रही कि अधिकांश वाहनों पर नंबर प्लेट नहीं थी। जिन पर थी, उन पर मिट्टी, कालिख और यहां तक कि गोबर पोतकर नंबर छिपा दिए गए थे। कई ट्रकों में तो रजिस्ट्रेशन नंबर तक नहीं दिखे। सवाल सीधा है और साफ भी- क्या यह नजारा जिला प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों को नहीं दिखता? जब आम नागरिक और मीडिया की नजर इन पर पड़ सकती है तो जिम्मेदार विभागों की आंखें आखिर क्यों बंद हैं? अधिकारियों का दावा है कि नियमित चेकिंग होती है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और कहानी बयां कर रही है। बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के, बिना पहचान के, ऊपर तक खनिज लदे ट्रक सड़कों पर बेखौफ फिर कैसे और किसके संरक्षण से दौड़ रहे हैं? सूत्रों की मानें तो ओवरलोडिंग का यह खेल किसी छोटे स्तर का नहीं, बल्कि मजबूत सिंडीकेट की सेटिंग से संचालित हो रहा है। जहां ऊपर से नीचे तब सब को पता है। रात के अंधेरे में यह नाइट गेम चलता है और सुबह होते ही सब कुछ सामान्य दिखने लगता है। बड़ा सवाल यही है कि आखिर ये बिना नंबर के ट्रक किसके संरक्षण में जिले की सड़कों पर कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं? यदि यही हाल रहा तो नियम सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाएंगे और हाईवे माफिया के हवाले।

खनिज विभाग के जादुई कैमरे, सड़कों पर बेलगाम ओवरलोड ट्रक

जिला प्रशासन और खनिज विभाग आए दिन बड़े-बड़े दावे करते नहीं थकते कि जिले में लाखों रुपये खर्च कर हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। दावा यह भी है कि इन कैमरों पर 24 घंटे निगरानी रखी जाती है और खनिज विभाग के अधिकारी हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए रहते हैं। लेकिन सवाल है कि जब रात के अंधेरे में ओवरलोड और बिना नंबर प्लेट के ट्रक खुलेआम सड़कों पर दौड़ रहे हैं, तो क्या ये ट्रक उन सरकारी कैमरों में दिखाई नहीं देते? या फिर कैमरे सिर्फ कागजों और प्रेस विज्ञप्तियों तक ही सीमित हैं? यदि कैमरे सचमुच सक्रिय हैं तो फिर इतनी बड़ी संख्या में गुजरते ओवरलोड ट्रक प्रशासन की नजर से कैसे बच जाते हैं? क्या तकनीक फेल है या फिर सिस्टम जानबूझकर आंखें मूंदे हुए है? चर्चा है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि ट्रक संचालक और जिम्मेदारों के बीच मिलीभगत का खेल चल रहा हो, जिसके चलते नाइट गेम बेखौफ जारी है?

स्विमिंग पूल बनी जिले की सड़कें, भाजपा के विकास मॉडल पर सदर विधायक का तीखा हमला

- 90 फीसदी मार्ग बदहाल, सवालों से घिरी प्रदेश सरकार
- विधानसभा में मचा सियासी भूचाल

सदर विधायक चित्रकूट अनिल प्रधान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। विधानसभा के प्रथम सत्र 2026 के प्रथम बुधवार को चित्रकूट सदर के विधायक अनिल प्रधान ने सदन में प्रदेश की जर्जर सड़कों का मुद्दा उठाते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के ग्रामीण संपर्क मार्ग पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुके हैं और हालत ऐसी है कि समझ में नहीं आता सड़क पर गड्ढा है या गड्ढों पर सड़क। लगातार बढ़ती दुर्घटनाओं, जनता की परेशानी और कमजोर होती अर्थव्यवस्था का हवाला देते हुए उन्होंने गड्ढामुक्त योजना को विफल बताया। उनका कहना था कि जब तक मार्गों का शून्य से लेपन तक समुचित पुनर्निर्माण नहीं होगा, तब तक सुधार संभव नहीं। विधायक ने विधानसभा 236 चित्रकूट की 90 प्रतिशत सड़कों को बदहाल बताते हुए शिवरामपुर बीओपी, चिल्लीमल, पहाड़ी-लमियारी, राजापुर-भदेदू-चांदी जैसे प्रमुख मार्गों की दुर्दशा का जिक्र किया और कहा कि बरसात के बाद सड़कें स्विमिंग पूल बन जाती हैं, जहां बच्चे तक तैरते नजर आते हैं। उन्होंने राज्य सड़क निधि के प्रस्तावों की अनदेखी, शिवरामपुर-कौंहारी बीओपी मार्ग की लंबित बजट स्वीकृति तथा देवांगना घाटी से खोह और भरतकूप तक बाईपास निर्माण की मांग भी उठाई। तारांकित व अतारांकित प्रश्नों के माध्यम से मुख्यमंत्री से सड़क मरम्मतीकरण योजना, नए संपर्क मार्गों के निर्माण, चौड़ीकरण, रेलवे ओवरब्रिज और 33/11 विद्युत उपकेंद्र स्थापना पर स्पष्ट जवाब मांगा। अंत में उन्होंने सवाल किया कि क्या दिसंबर 2026 तक प्रदेश की जर्जर सड़कों को चलने लायक बनाया जाएगा या जनता यूं ही गुमशुदा सड़कों को तलाशती रहेगी।

रामायण मेला परिसर में 22 को सजेगा अधिकारों का महाकुंभ, न्याय और प्रशासन एक मंच पर

वंचितों की आवाज बनेगा विधिक शिविर

अखंड भारत संदेश

विधिक शिविर में मौजूद अधिकारीगण

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के तत्वावधान में और जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चित्रकूट शेषमणि शुक्ला के कुशल मार्गदर्शन में 18 फरवरी को जिलाधिकारी सभागार में मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर के सफल आयोजन हेतु प्री-कैम्प आयोजित किया गया। प्रथम अपर जिला जज एवं नोडल अधिकारी अनुराग कुरील की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में स्पष्ट किया गया कि 22 फरवरी को राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर, सीतापुर चित्रकूट में एक ऐसा महाशिविर लगेगा, जहां न्यायपालिका और प्रशासन मिलकर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक उसके अधिकार पहुंचाने का संकल्प निभाएंगे। अनुसूचित जाति-जनजाति, मानव तस्करी से पीड़ित, महिलाएं, बच्चे, दिव्यांगजन, औद्योगिक एवं सामूहिक आपदाओं के पीड़ित, निर्धन वर्ग और असंगठित क्षेत्र के श्रमिककृसभी के लिए अलग-अलग स्टाल लगाकर त्वरित समाधान और विधिक परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। सिविल जज (सीडी) सचिन कुमार दीक्षित ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी, दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण, आधार सुधार, बैंकिंग योजनाएं और निःशुल्क दंत, नेत्र व सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण भी इसी मंच से होगा। सचिव इला चौधरी ने आवेदकों से आवश्यक दस्तावेज साथ लाने की अपील की। प्रशासनिक और बैंकिंग अधिकारियों की उपस्थिति ने संकेत दे दिया कि यह शिविर केवल आयोजन नहीं, बल्कि अधिकारों का सशक्त जनांदोलन बनने जा रहा है।

ट्रैक्टर से गिरकर मां-बेटी की दर्दनाक मौत, गांव में मातम

चित्रकूट। जिले के भरतकूप थाना क्षेत्र में बुधवार देर शाम एक मामूली सा झटका जिंदगी पर भारी पड़ गया। गोबरिया गांव के पास बने ब्रेकर पर ट्रैक्टर के अचानक उछलने से कमासिन निवासी 22 वर्षीय समीना और उसकी दो वर्षीय मासूम पुत्री सना नीचे गिर गईं। हादसा इतना भयावह था कि मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरामपुर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था- इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। भरतकूप थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा भरते हुए शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। इस हृदयविदारक घटना से गांव में मातम पसरा है और एक परिवार की खुशियां पल भर में उजड़ गईं।

सीतापुर में भाजपा का प्रशिक्षण शंखनाद, सात मार्च से संगठन शक्ति का महासंग्राम

- दो दिवसीय रात्रि प्रवास अनिवार्य
- भाजपा ने कसी चुनावी कमर

अखंड भारत संदेश

दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान में मौजूद अतिथिगण

चित्रकूट। भारतीय जनता पार्टी चित्रकूट द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत जिला कार्यशाला का आयोजन सीतापुर स्थित आनन्द रिसॉर्ट में जोश और रणनीतिक संकल्प के साथ किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में कानपुर बुन्देलखण्ड क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी अनिल यादव उपस्थित रहे। संयोजक पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी ने कार्यशाला की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए बताया कि पंजीकरण, पितृ पुरुषों का माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन और उद्घाटन सत्र के बाद मुख्य अतिथि का उद्बोधन तथा भोजन सत्र आयोजित हुआ, तत्पश्चात विधानसभा वार बैठकों में मंडल स्तर के प्रशिक्षण वर्गों की विस्तृत रणनीति तय की गई। मुख्य वक्ता अनिल यादव ने प्रशिक्षण को संगठन की सतत प्रक्रिया बताते हुए कहा कि यह नवागंतुक कार्यकर्ताओं को पार्टी के इतिहास, विचारधारा और कार्यपद्धति से परिचित कर उन्हें दीर्घकालिक और परिपक्व नेतृत्व के लिए तैयार करता है। स्पष्ट किया कि मंडलवार दो दिवसीय प्रशिक्षण में सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति और रात्रि प्रवास अनिवार्य रहेगा। जिलाध्यक्ष ने सात मार्च से प्रारंभ होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए पूर्व नियोजन और व्यापक सहभागिता पर जोर दिया। कार्यशाला में पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र, पूर्व मंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जबकि आईटी संयोजक आदित्य रघुवंशी ने डिजिटल संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला।

जलवायु की चेतावनी पर जागा अकबरपुर, पृथ्वी रक्षा यात्रा ने जगाई नई सोच

चित्रकूट। जिले के कर्वी विकास खंड अंतर्गत अकबरपुर सचिवालय बुधवार को पर्यावरण चेतना का केंद्र बन गया, जब विकास पथ सेवा संस्थान की ओर से कृषि आधारित जलवायु परिवर्तन एवं पृथ्वी रक्षा यात्रा के तहत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान प्रतिनिधि एवं अतर्रा डिग्री कॉलेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष शंभू सिंह चंदेल ने की। मुख्य वक्ता डॉ प्रभाकर सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज कृषि के सामने विकराल चुनौती बन चुका है और यदि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण समय रहते नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियां गंभीर संकट झेलेंगी। उन्होंने जल संरक्षण, जैविक खेती, फसल विविधीकरण और स्थानीय बीजों के संरक्षण को भविष्य की अनिवार्यता बताया। अध्यक्षता कर रहे शंभू सिंह चंदेल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन किसी एक संस्था या सरकार का विषय नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों से अधिकाधिक वृक्षारोपण, वर्षा जल संचयन और प्राकृतिक खेती अपनाकर गांव को पर्यावरण संरक्षण का मॉडल बनाने का आह्वान किया। संस्थान के कार्यकर्ता वंश गोपाल ने गोआधारित कृषि पद्धति, रासायनिक उर्वरकों के सीमित उपयोग और व्यवहारिक उपायों की विस्तार से जानकारी दी। डेढ़ वर्ष से चल रहे इस अभियान से सैकड़ों किसान लाभान्वित हो चुके हैं। अंत में डाबर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से ग्रामीणों को फ्रूट जूस व उपयोगी सामग्री वितरित की गई तथा उपस्थित किसानों और युवाओं ने जल संरक्षण व सतत खेती अपनाने का संकल्प लिया।

सत्रह साल की उम्र में तेजस ने जेईई मेंस में 99.57 अंक लाकर रचा इतिहास

बरगढ़/चित्रकूट। ग्राम पंचायत कोनिया के सत्रह वर्षीय होनहार तेजस मिश्रा ने 18 फरवरी को घोषित जेईई मेंस परीक्षा परिणाम में 99.57 अंक हासिल कर पूरे क्षेत्र का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया। नरेन्द्र कुमार मिश्रा के सुपुत्र तेजस ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कक्षा तीन से दस तक बाल भारती कॉलेज से प्राप्त की, जबकि इंटरमीडिएट की पढ़ाई महर्षि वेदव्यास कॉलेज नैनी प्रयागराज से पूरी की। सीमित संसाधनों के बीच कठोर परिश्रम और अनुशासन के दम पर मिली इस सफलता ने कोनिया गांव को नई पहचान दी है। परिणाम घोषित होते ही घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। पूर्व प्रधान मिठाई लाल मिश्र और युवा मोर्चा मंडल महामंत्री ऋतिक मिश्रा ने मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया। तेजस की इस उपलब्धि से पूरे बरगढ़ क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल है और युवाओं को नई प्रेरणा मिली है।

रात की साजिश में जलीं मेहनतकशों की दुकानें, रेलवे किनारे राख हुआ रोजगार

मिलने पर मुकदमा दर्ज करने की बात कही गई है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत और गुस्से का माहौल है, जबकि लोग दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

चित्रकूट। जिले के शिवरामपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कल्ला में मंगलवार की रात अराजकता की चिंगारी ने मेहनतकशों की जिंदगी झुलसा दी। रेलवे लाइन किनारे बनी सब्जी की अस्थायी दुकानों में अज्ञात तत्वों ने आग लगा दी, जिससे देखते ही देखते कई दुकानें राख में बदल गईं। देर रात अचानक उठते धुएं और लपटों ने ग्रामीणों को दहला दिया। स्थानीय लोगों ने पानी और बाल्टियों के सहारे आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था। बुधवार सुबह पीड़ित दुकानदारों की आंखों में आंसू और आक्रोश साफ झलक रहा था- यही दुकानें उनके परिवार की रोजी-रोटी का एकमात्र जरिया थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और तहरीर

बैंकर्स और प्रशिक्षनार्थियों को मिला सुरक्षा कवच चित्रकूट में आरबीआई का जागरूकता संग्राम

अखंड भारत संदेश

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सम्मानित करते प्रबंधक

चित्रकूट। 18 फरवरी को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आरसेटी चित्रकूट में प्रशिक्षणार्थियों के लिए शिकायत निवारण तंत्र पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 70 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में आरबीआई के सहायक प्रबंधक अरविन्द्र कुमार ने वित्तीय फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट और शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी देते हुए युवाओं को साइबर जाल से सतर्क रहने का संदेश दिया। इसी क्रम में जिला स्तरीय मुद्रा प्रबंधन समिति की बैठक भी आयोजित हुई, जिसमें चित्रकूट, बाँदा, महोबा और हमीरपुर के अग्रणी जिला प्रबंधक- अनुराग शर्मा, रविशंकर, सरोज कुमार और संगम मिश्रा-सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सहायक प्रबंधक आनंद कबीर ने डिजिटल पेमेंट के सुरक्षित तरीकों और फ्रॉड से बचाव की रणनीतियों पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। अंत में निदेशक ओम प्रकाश कुरील ने सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया।

यूपी बोर्ड 2026 का बिगुल, पहले ही दिन 656 परीक्षार्थियों ने छोड़ी हिंदी की जंग

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 का आगाज सोमवार को हाईस्कूल हिंदी विषय की परीक्षा के साथ हो गया। पहले ही दिन परीक्षा केंद्रों पर छात्रों में उत्साह और तनाव का मिश्रित माहौल देखने को मिला। जिले में पंजीकृत कुल 13,497 परीक्षार्थियों में से 656 छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी, जबकि 12,841 छात्र परीक्षा में शामिल होकर अपने भविष्य की दिशा तय करने की ओर पहला कदम बढ़ाया। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। कड़ी निगरानी के बीच शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न हुई। पहले दिन की उपस्थिति ने यह संकेत दे दिया है कि इस बार भी बोर्ड परीक्षा को लेकर गंभीरता और अनुशासन का स्तर ऊँचा रहने वाला है। अब सभी की निगाहें आगामी विषयों की परीक्षाओं और परिणामों पर टिकी हैं।

चुनावी शुद्धिकरण का मिशन पूरा, 236-237 में लॉजिकल डिस्क्रेपेन्सी शत-प्रतिशत खत्म

चित्रकूट-मानिकपुर में बीएलओ ने रचा कीर्तिमान

अखंड भारत संदेश

बीएलओ को सम्मानित करते एसडीएम मऊ

चित्रकूट। लोकतंत्र की बुनियाद मानी जाने वाली मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने की दिशा में जनपद चित्रकूट ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अपर जिलाधिकारी (वि/स) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्र शेखर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र लखनऊ के निदेर्शानुसार नो मैपिंग और लॉजिकल डिस्क्रेपेन्सी श्रेणी के मतदाताओं पर जारी नोटिसों की सुनवाई नियमानुसार की जा रही है। इसी क्रम में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 236-चित्रकूट और 237-मानिकपुर में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं बूथ लेबिल अधिकारियों (बीएलओ) ने अपने-अपने आवंटित बूथों पर शत-प्रतिशत लॉजिकल डिस्क्रेपेन्सी निस्तारण का कार्य पूर्ण कर मिसाल पेश की है। विधानसभा 236-चित्रकूट में चार बीएलओ-हेमराज सिंह, विपिन शुक्ला, शत्रुघ्न प्रसाद एवं राम सजीवन-ने अपने बूथों पर त्रुटि सुधार का कार्य पूरी दक्षता से संपन्न किया। वहीं 237-मानिकपुर में दस बीएलओ, जिनमें सत्य प्रकाश, विपिन कुमार, क्षितिज कुमार, सूर्यकान्त सिंह, अजीत सिंह, अरुण कुमार सिंह, देशराज सिंह, जय प्रताप, हरिओम पाण्डेय और जयराम शामिल हैं, ने सौ प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया। उप जिलाधिकारी कर्वी एवं मऊ ने उत्कृष्ट कार्य के लिए सभी बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रशासन का कहना है कि यह उपलब्धि न केवल पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया की गारंटी है, बल्कि मतदाता विश्वास को भी सुदृढ़ करती है।

अत्यंत शक्तिशाली देश...मोदी के आने से पहले इजरायल का भारत पर बड़ा ऐलान

इजराइल

भारत और इजराइल के संबंध बेहद अच्छे हैं और इसी पर बात करते हुए इजराइली प्रधानमंत्री भारत और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कर रहे हैं। अपने इस भाषण में नेतन्याहू बात करते दिख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इसी महीने होने वाली इजराइल यात्रा की। दरअसल , नेतन्याहू का यह वीडियो सामने आया है जिसमें वह मन से कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि अगले हफ्ते यहां कौन आ रहा है? नरेंद्र मोदी इजराइल और भारत के बीच जबरदस्त गठबंधन है। भारत में इजराइल बेहद लोकप्रिय है। आपको याद दिला दें 2017 में पीएम मोदी की ऐतिहासिक इजराइल यात्रा ने दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाई दे दी थी। अब नेतन्याहू ने अपने बयान में यह भी कहा है कि कई देश हैं जो इजराइल के साथ रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में निवेश करना चाहते हैं। जहां वो जर्मनी का जिक्र भी करते हैं। लेकिन जिस अंदाज में उन्होंने भारत का

नाम लिया उससे यह साफ है कि भारत उनके लिए सिर्फ एक साझेदार नहीं बल्कि एक स्ट्रेटेजिक पिलर बन चुका है।

कुछ अहम जानकारियां जानिए

प्रधानमंत्री मोदी की इजराइल यात्रा से दोनों देशों के बीच रणनीतिक, रक्षा और तकनीकी संबंधों को नई गति मिलने की उम्मीद है। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी की अपने तीसरे कार्यकाल में इजराइल की यह पहली यात्रा होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने आखिरी बार 2017 में इजराइल का दौरा किया था, जो दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 25 साल पूरे होने का प्रतीक था। अपनी पिछली यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी और नेतन्याहू ने रक्षा, साइबर सुरक्षा, कृषि और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर बातचीत की थी। इस बार, दोनों नेताओं के पश्चिम एशिया की सुरक्षा स्थिति के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर चर्चा करने की उम्मीद है।

भारत-इजराइल ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर किए

पिछले साल नवंबर में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की इजराइल यात्रा के दौरान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद, सितंबर में इजराइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने एक द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, उसी वर्ष गोयल की यात्रा के दौरान, भारत और इजराइल ने रक्षा, औद्योगिक और तकनीकी सहयोग को बढ़ाने के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए।

9 साल बाद इजरायल जाएंगे मोदी, कूटनीति के लिहाज से भी अहम है दौरा

इजरायल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही इजरायल जाएंगे। दिल्ली में 16 से 20 फरवरी तक होने वाले एआई समिट के बाद यह दौरा हो सकता है। पीएम मोदी का यह दौरा दोनों देशों के बीच तेजी से मजबूत हो रहे रणनीतिक, रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में संबंधों को नया आयाम दे सकता है। यह पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली इजरायल यात्रा होगी, जो 9 साल के गैप के बाद हो रही है। पीएम मोदी की आखिरी इस्त्राइल यात्रा जुलाई 2017 में हुई थी। तब वे इस्त्राइल का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। तब इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लगभग पूरे वक्त पीएम मोदी के साथ थे। जिसने भारत और इस्त्राइल के गहरे संबंधों को रेखांकित किया। इस्त्राइल भारत के लिए एक अहम डिफेंस सप्लायर रहा है। मिसाइल सिस्टम, ड्रोन, निगरानी तकनीक और साइबर सुरक्षा में दोनों देशों के बीच सहयोग काफी

वक्त से है। माना जा रहा है कि पीएम मोदी के इस दौरे में 'मेक इन इंडिया' के तहत जॉइंट प्रॉडक्शन और टेक्नॉलजी ट्रांसफर पर भी बातचीत और आगे बढ़ सकती है।

यह विजिट कूटनीतिक लिहाज से भी अहम है। इसे भारत की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जहां सुरक्षा, तकनीक, ऊर्जा और कूटनीतिक संतुलन सभी को साथ लेकर चला जा रहा है। इस दौरान रक्षा, सुरक्षा, ड्रोन तकनीक और हाई-टेक सहयोग जैसे क्षेत्रों में अहम समझौतो पर चर्चा की उम्मीद है। इस्त्राइल की तरफ से भी इस यात्रा को लेकर सकारात्मक संकेत दिए गए है।

दोनों रणनीतिक साझेदार देश मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। स्मोट्रिच की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की नवंबर में इजराइल यात्रा के दौरान एफटीए के लिए ह्यटर्म्स ऑफ रेफरेंस (कार्य के दायरे) पर सहमति बनी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिसंबर में इजराइल का दौरा किया था।

इजरायल का अब फिलिस्तीनी 'वेस्ट बैंक' पर कब्जा, मुस्लिम देश हैरान

इजरायल

इजरायल ने 1967 के बाद पहली बार वेस्ट बैंक में बड़े भूभाग को स्टेट लैंड यानी सरकारी जमीन घोषित करने का फैसला लिया है। इस कदम को इलाके की राजनीति और कूटनीति में अहम माना जा रहा है क्योंकि 1967 के सिक्स डेज वॉर के बाद से वेस्ट बैंक का मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद का मुद्दा रहा है। मौजूदा ऐलान के तहत जिस इलाके को राज्य की आधिकारिक जमीन घोषित किया गया है, वह रणनीतिक तौर पर संवेदनशील इलाके में मौजूद बताया जा रहा है। इजराइली प्रशासन का कहना है कि यह फैसला कानूनी प्रक्रिया और जमीन के सर्वे के बाद लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार इस भूभाग पर किसी फिलिस्तीनी निजी पार्टी का दावा वैध नहीं साबित हो पाया। जिसके बाद इसे इजरली राज्य की जमीन के तौर पर दर्ज किया गया है। इजराइल की दलील है कि इस तरह की घोषणाएं उसके प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में आती हैं। उसकी ओर से यह फैसला इस क्षेत्र के विकास, सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लिया गया है।

दूसरी ओर फिलिस्तीनी लीडरशिप और कई मुस्लिम देशों ने इस कदम का विरोध किया है। उनका कहना है कि वेस्ट बैंक अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार कब्जे वाला क्षेत्र है। इसलिए यहां की जमीन को राज्य संपत्ति घोषित करना भविष्य में दो राष्ट्रीय समाधान की संभावनाओं को प्रभावित कर सकता है। आलोचकों का तर्क है कि इस तरह के फैसले से क्षेत्र में बस्तियों के

विस्तार को बढ़ावा मिल सकता है और शांति वाताओं की राह में मुश्किलें आ सकती हैं। इस इजराइली घोषणा के बाद क्षेत्रीय तनाव बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। वेस्ट बैंक में पहले से ही इजराइली बस्तियों और फिलिस्तीनी आबादी के बीच संवेदनशील संतुलन बना हुआ है।

किसी भी प्रशासनिक या जमीन के मालिकाना संबंधी फैसले का स्थानीय स्तर पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय खासकर अमेरिका और यूरोपीय देशों की प्रतिक्रिया भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने पहले भी वेस्ट बैंक में इजरायली बस्तियों के विस्तार पर चिंता व्यक्त की है। साथ ही बातचीत से मसले को सुलझाने की बात कही है। ऐसे में यह नया कदम कूटनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। कुल मिलाकर 1967 के बाद पहली बार वेस्ट बैंक में बड़े पैमाने पर जमीन को स्टेट लाइन घोषित करने का निर्णय एक ऐतिहासिक और विवादास्पद कदम के रूप में देखा जा रहा है।

13 साल की लड़की के हाथ में परमाणु बम का बटन! किम जोंग के फैसले को चुनौती देंगी बहन

उत्तर कोरिया

उत्तर कोरिया का नाम सुनते ही जेहन में एक ही चेहरा नजर आता है। किम जोंग उन वो चेहरा जो दुनिया भर में मिसाइल परीक्षण के लिए मशहूर है। पिछले 15 साल से वहां इन्हीं का शासन है। सिर्फ 27 साल की उम्र में वो शासक बने और उनके उत्तराधिकारी की खबरें भी सामने आई हैं। ये किम जोंग उनकी बेटी किम यूए हैं। जिनकी उम्र सिर्फ 13 साल बताई गई है। किम के बाद उत्तर कोरिया की बागडोर इन्हीं के हाथ में होगी। पिछले 78 साल से उत्तर कोरिया पर किम परिवार का ही कंट्रोल रहा है। इस देश की किस्मत लगभग आठ दशक से यही परिवार लिख रहा है। इसे समझने के लिए आपको किम फैमिली की हिस्ट्री भी आइए दिखाते हैं। तो आइए देखते हैं। 1948 में पहली बार इस परिवार के किम इल सुंग ने गद्दी को संभाला था। उत्तर कोरिया में ऐतिहासिक परिवर्तन की शुरूआत होने वाली है। रहस्यों से भरा वो मुल्क जिस पर कभी किसी महिला ने हुकूमत नहीं की वहां तस्वीर बदलने की परंपरा शुरू हो सकती है।

किम इलसंग ने जो दादा थे किम जोंग उनके उन्होंने 1948 में इस गद्दी को संभाला। किम जोंग इल इसके बाद सत्ता पर काब हुए और उनके बेटे हैं किम जोंग उन जो इस वक्त सत्ता पर काबिज हैं और अब उनकी उत्तराधिकारी के तौर पर किम यू ए की बात की जा रही है कि उनकी बेटी जो 13 साल की है वो उत्तराधिकारी होंगी। किम जोंग उनकी पत्नी रीसोल जू है और किम जोंग इल की पत्नी को यूंग हुई थी जो मां है ।

पनडुब्बी... रक्षा सौदे से और मजबूत होगी दोस्ती

फ्रांस

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सोमवार को अपने तीन दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं, जिससे भारत एक महत्वपूर्ण राजनयिक और रणनीतिक क्षण के लिए तैयार हो रहा है। यह दौरा रक्षा, प्रौद्योगिकी और वैश्विक शासन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगा। मैक्रॉन भारत द्वारा आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेंगे और मुंबई में एक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में भी शामिल होंगे। यह भारत का उनका चौथा दौरा और देश की वित्तीय राजधानी में पहला दौरा होगा। प्रमुख रक्षा समझौतों पर चर्चा और भू-राजनीतिक सहयोग के विस्तार के साथ, इस दौरे से भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के अगले चरण को आकार मिलने की उम्मीद है। आगामी वार्ता में भारत के बढ़ते लड़ाकू विमान कार्यक्रम और राफेल विमानों के बेड़े के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इससे पहले 12 फरवरी को, भारत ने फ्रांस के साथ सरकार-से-सरकार समझौते के तहत 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लंबे समय से लंबित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जो भारतीय वायु सेना की युद्ध क्षमता को बढ़ाने के लिए मूल रूप से शुरू की गई योजना के लगभग दो दशक बाद हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने भारतीय नौसेना के लिए अमेरिका निर्मित छह अतिरिक्त बोइंग पी8-आई निगरानी विमानों की खरीद सहित कुल 3.60 लाख करोड़ रुपये के सैन्य हार्डवेयर के पूंजीगत अधिग्रहण को मंजूरी दी। मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (एमआरएफए) परियोजना के तहत, राफेल निमार्ता कंपनी डसॉल्ट एविएशन द्वारा 18 विमान उड़ान भरने योग्य स्थिति में आपूर्ति किए जाएंगे और शेष विमानों का निर्माण भारत में 50 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

भारत को फाइटर जेट इंजन देने के लिए भिड़े फ्रांस-ब्रिटेन, AMCA में लगेगा 240kN इंजन !

फ्रांस

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में कहा था कि इंडीजीनियस फाइटर जेट इंजन का उत्पादन अगले साल से भारत में शुरू होगा। यह बयान सामान्य नहीं था। यह संकेत था कि भारत अब जेट इंजन टेक्नोलॉजी के सबसे कठिन और विशिष्ट क्लब में प्रवेश करने जा रहा है। यूके की 240 के एन डील क्या है और एमका को इससे कितना बड़ा बूस्ट मिलेगा और कावेर इंजन प्रोग्राम का भविष्य क्या होगा। दरअसल

फाइटर जेट बनाना कठिन है लेकिन जेट इंजन बनाना उससे भी ज्यादा कठिन है। एक आधुनिक टर्बो फैन इंजन में लगभग 3000 से अधिक प्रसीजन कॉम्पोनेंट होते हैं। इनमें से कई पार्ट्स 1500 डिग्री सेल्सियस से भी ज्यादा तापमान पर काम करते हैं।

सुपर एलॉय मटेरियल सिंगल क्रिस्टल ब्लेड टेक्नोलॉजी, एडवांस कूलिंग सिस्टम यह सब मिलाकर जेट इंजन बनता है। दुनिया में बहुत कम देश हैं जो यह क्षमता रखते हैं।

अमेरिका, रूस, फ्रांस, यूके और चीन। अब भारत इस सूची में शामिल होने की तैयारी कर रहा है।

अदियाला जेल में आधी रात 'गुप्त' जांच!

पीटीआई के संस्थापक इमरान खान की चिकित्सा टीम द्वारा की गई जांच के तरीके पर गंभीर आपत्ति जताते हुए, पार्टी नेता लतीफ खोसा ने पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) याह्या अफरीदी से औपचारिक रूप से संपर्क किया है। डॉन ने यह जानकारी दी। पत्र में पूर्व प्रधानमंत्री की जांच को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई है, जो कथित तौर पर रविवार को अडियाला जेल में "गुप्त रूप से" की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के बाद यह चिकित्सा मूल्यांकन किया गया, जिसमें 16 फरवरी से पहले नेता की स्थिति का आकलन करने को कहा गया था। बेंच को सूचित किया गया था कि पूर्व प्रधानमंत्री की दाहिनी आंख में केवल 15% दृष्टि शेष है"।

हालांकि डॉक्टरों की एक टीम ने 15 फरवरी को उस सुविधा केंद्र का दौरा किया, लेकिन पीटीआई ने नेता के रिश्तेदारों और भरोसेमंद चिकित्सकों को शामिल न किए जाने का हवाला देते हुए इस प्रक्रिया का विरोध किया है। तोशाखाना मामले में कानूनी सलाहकार के रूप में काम कर रहे खोसा ने अपने पत्र में कहा कि "परिवार या स्वतंत्र डॉक्टरों को सूचित किए बिना, गुप्त रूप से जांच करने से गंभीर आशंकाएं पैदा हुई हैं। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पत्र में कहा गया है कि "याचिकाकर्ता के स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी से याचिकाकर्ता के परिवार और निजी चिकित्सकों को लगातार बाहर रखने से अपरिहार्य संदेह पैदा हो गए हैं।

पीटीआई नेता ने आगे चेतावनी दी कि इस तरह की गोपनीयता न केवल चिकित्सा प्रक्रिया पर विश्वास को कमजोर करती है, बल्कि उनके परिवार के सदस्यों, दोस्तों और समर्थकों के बीच अशांति और पीड़ा का कारण भी बन रही है।

नेता की 73 वर्षीय आयु पर प्रकाश डालते हुए, खोसा ने कहा कि "उनकी बढ़ती उम्र और बिगड़ता स्वास्थ्य न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे पाकिस्तान के लिए गंभीर चिंता का विषय है। खोसा ने बताया कि व्यापक समर्थन प्राप्त राजनीतिक हस्ती होने के बावजूद, पीटीआई संस्थापक बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं से वंचित हैं, जबकि उनकी चिकित्सा स्थिति देखभाल और पारदर्शिता की मांग करती है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

अमेरिकी हथियारों की लोकेशन चीन ने कर दी लीक, खुश हो गया ईरान

अमेरिका

अमेरिका ईरान के माथे पर एयरक्राफ्ट कैरियर्स और खूंखार लड़ाकू विमान लेकर खड़ा है। तो वहीं इन सबके बीच एक और बड़ा खुलासा हो गया है। यह खुलासा किया है चीन की सेटेलाइट तस्वीरों ने। जिसने दिखा दिया है कि जॉर्डन के मुआफक साल्टी एयरबेस पर अमेरिका का सुपर डिफेंस सिस्टम ठाड यानी कि टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस तैनात हो चुका है। जिनकी तैनाती की यह तस्वीरें सवाल उठा रही हैं कि क्या अमेरिका ईरान पर हमले की तैयारी कर चुका है और हमले के बाद किसी भी जवाबी हमले से निपटने के लिए अमेरिका इन डिफेंस सिस्टमकी तैनाती कर रहा है। इसकी तैनाती उस बेस पर की गई है जिसे

अमेरिकी फौजों का मिडिल ईस्ट में सबसे महत्वपूर्ण फॉरवर्ड लोकेशन माना जाता है और इसलिए ईरान के खिलाफ किसी कार्रवाही से पहले अमेरिका इस बेस पर अपने आप को मजबूत कर रहा है और अब चीन ने अमेरिका के इस चाल को बेनकाब कर दिया जहां इस पूरे मामले में चीन की सेटेलाइट्स का एक अलग खेल सामने आया है।

इस सिस्टम की तैनाती का खुलासा करने के पीछे चीनी कंपनी मिजार विजन का हाथ है। जिसकी सेटेलाइट तस्वीरों ने इन सिस्टम्स की तैनाती को सार्वजनिक कर दिया है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या चीन यह जानकारी ईरान तक पहुंचाना चाह रहा था? कुछ रिपोर्ट्स तो ऐसा दावा कर रही हैं कि चीनी युद्ध पोर्ट पर्शियन गल्फ के पास तैनात है और अमेरिकी गतिविधियों पर लगातार नजर भी बनाए हुए हैं। इन सबके बीच चीन की तरफ से अमेरिकी सिस्टम की लोकेशन लीक करना ईरान के लिए बेहद अहम हो जाता है। जहां किसी भी अमेरिकी कारवाही के बाद ईरान इस जानकारी की मदद से अमेरिकी बेसिस पर घातक हमलों को अंजाम दे सकता है। जिससे अमेरिका को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

थार्ड एक एडवांस एंटीबैलेस्टिक मिसाइल सिस्टम है जो दुश्मनों की बैलेस्टिक मिसाइलों को आसमान में ही मार गिराने के लिए बनाया गया है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह वायुमंडल के अंदर भी काम करता है और वायुमंडल के बाहर भी। अमेरिका के पास इसकी अब सिर्फ आठ बैटरीयां मौजूद हैं और इसमें इस्तेमाल होने वाली इंटरसेप्टर मिसाइलों का स्टॉक भी अब अमेरिका के पास सीमित रह गया है। जॉर्डन का मुआफाक साल्टी बेस ईरान के बेहद करीब है और अगर अमेरिका ईरान के खिलाफ कोई भी कारवाई करता है तो उसे सबसे पहले मिडिल ईस्ट में मौजूद अपनी फौजों की रक्षा को मजबूत करना होगा।